CNews सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-209
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

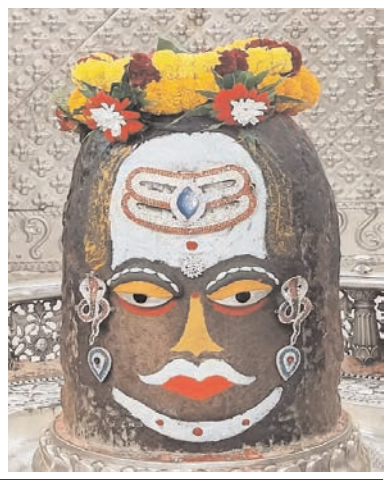

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, सोमवार 04 नवम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुविचार

वही उन्नति करता है जो स्वयं अपने को उपदेश देता है।

जलवायु परिवर्तन का असर, बर्फ का पिघलने से हिमानी झीलों का दायरा बढ़ा

नई दिल्ली। हिमालयी क्षेत्र में अब जलवायु परिवर्तन का असर तेजी से दिखने लगा है। इसका एक और सबूत हालिया सरकारी रिपोर्ट में देखने को मिला है। इस रिपोर्ट में यह कहा गया है कि हिमालयी क्षेत्र में 2011 से लेकर 2024 के बीच हिमानी झीलों (ठंडे क्षेत्र में पानी वाली झीलों) के क्षेत्रफल में बढ़ोतरी देखी गई है। यह बढ़ोतरी भी 10.81 फीसदी की दर्ज की गई है। यानी हिमालय के जबरदस्त ठंड वाले क्षेत्र में भी अब तेजी से बर्फ का पिघलना शुरू हो गया है। चिंता की बात यह है कि इन बदलावों के चलते झीलों में अत्याधिक पानी से बाढ़ का खतरा काफी बढ़ गया है। पूरे हिमालयी क्षेत्र की बात करें तो हिमानी झीलें और अन्य जलीय पिंडों का क्षेत्रफल 2011 के 5,33,401 हेक्टेयर से बढ़कर 2024 में 5,91,108 हेक्टेयर पहुंच चुका है, जो कि करीब 10.81 फीसदी की बढ़ोतरी है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में झीलों के सतही क्षेत्र में 33.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो कि काफी ज्यादा है। गौरतलब है कि भारत में 2011 में हिमानी झीलों का कुल क्षेत्रफल 1962 हेक्टेयर था। यह 2024 में 2623 हेक्टेयर तक पहुंच चुका है। यह सतही क्षेत्रफल में 33.7 फीसदी की बढ़ोतरी है इस रिपोर्ट में भारत की 67 ऐसी झीलों की भी पहचान की गई है, जिनके सतही क्षेत्रफल में 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। इन्हें बाढ़ के खतरे के मद्देनजर उच्च-जोखिम वाली झीलों में रखा गया है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव कल: एग्जिट पोल में सात में से 6 बैटलग्राउंड स्टेट में डोनाल्ड ट्रंप का दबदब

मोदी-ट्रंप की जोड़ी फिर दिखाएगी 'कमाल'!

नई दिल्ली। पूरी दुनिया की नजर इस वक्त अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव पर है जिसकी वोटिंग मंगलवार को होगी। रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक कमला हैरिस के बीच मुकाबला बेहद करीबी है। अन्य देशों की तरह भारत भी इस चुनाव पर करीब से नजर बनाए हुए है। सवाल है कि अमेरिका में अगर सत्ता परिवर्तन होता है तो उसका भारत पर क्या असर पड़ेगा। एक तरफ ट्रंप हैं जो भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के पुराने पक्षधर हैं। उनकी और पीएम नरेंद्र मोदी की दोस्ती जगजाहिर है। वहीं दूसरी तरफ कमला हैरिस हैं जिनके भारतीय मूल की वजह से भारत के लोग उन्हें ज्यादा करीबी मानते हैं। हालांकि पीएम मोदी के हालिया अमेरिकी दौरे के बावजूद पिछले कुछ समय में कई चीजों को लेकर भारत और अमेरिका के बीच तल्खी आई है। अमेरिका ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में एक भारतीय नागरिक पर आरोप तय किए हैं। भारत-कनाडा विवाद को लेकर अमेरिका ने बयान दिया था कि कनाडा के आरोप गंभीर हैं और भारत को उसकी जांच में सहयोग करना चाहिए। हाल ही में अमेरिका ने रूस के सैन्य-औद्योगिक अड्डे का कथित रूप से समर्थन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इसके तहत 275 व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए गए जिनमें भारत की 15 कंपनियां भी शामिल हैं।

अमेरिका में सत्ता परिवर्तन का भारत पर असर- विशेषज्ञों के अनुसार, अगर व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी होती है तो प्रधानमंत्री मोदी के साथ मजबूत व्यक्तिगत संबंधों का लाभ दोनों देशों को मिल सकता है। ये संबंध एक ऐसी विदेश नीति को बढ़ावा देंगे जिसमें व्यापार, बाजार तक पहुंच और आप्रवासन जैसे मुद्दों पर संतुलन देखने को मिलेगा। दूसरी ओर, राष्ट्रपति बाइडेन की तरह, कमला हैरिस भी दक्षिण एशिया में भारत को चीन के सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखती हैं और वे मतभेदों को बढ़ावा नहीं देंगी।

नए एग्जिट पोल में ट्रंप आगे- एक नए एग्जिट पोल ने चौंकाने वाला नतीजा दिखाया है। अमेरिका में कुल सात बैटलग्राउंड स्टेट हैं। इन सात में से 6 बैटलग्राउंड स्टेट में डोनाल्ड ट्रंप का दबदबा दिख रहा है। दरअसल, अमेरिकी चुनाव 2024 के नतीजे 5 नवंबर के बाद आएंगे, मगर उससे पहले के एग्जिट पोल के नतीजे बता रहे हैं कि डोनाल्ड ट्रंप छह राज्यों में आगे चल रहे हैं। वहीं कमला हैरिस एक स्विंग स्टेट में बढ़त बनाए हुई दिख रही हैं। ये नतीजे एटलस पोल्स के स्विंग स्टेट्स के सर्वे के हैं। अमेरिकी चुनाव के नक्शे में सात बैटलग्राउंड स्टेट हैं। ये हैं नॉर्थ कैरोलिना, जॉर्जिया, एरिजोना, नेवादा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन और पेंसिलवेनिया। एग्जिट पोल के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप नॉर्थ कैरोलिना, जॉर्जिया, एरिजोना, नेवादा, मिशिगन और पेंसिलवेनिया में आगे चल रहे हैं। कमला हैरिस विस्कॉन्सिन में बढ़त बनाए हुई हैं।

डोनेशन रेस में कमला हैरिस आगे- डोनेशन रेस की रिपोर्ट जारी की गई है जिसमें कमला हैरिस ने ट्रंप को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैरिस की कैंपेन कमेटी ने जनवरी से 16 अक्टूबर तक 997.2 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। जबकि डोनाल्ड ट्रंप की कैंपेन कमेटी केवल 388 मिलियन डॉलर ही जुटा पाई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या चंदे के मोर्चे पर हैरिस को मिली बढ़त वोटों में तब्दील होगी।

चुनावी कैंपेन में कितने डॉलर का हुआ खर्चा?- दोनों उम्मीदवारों को मिले चंदे में 609.2 मिलियन डॉलर का अंतर है। चंदे का यह अंतर हैरिस के लिए एक बड़ा फायदा है। उनके कैंपेन और समर्थकों ने पार्टी से जुड़े ग्रुप्स की मदद से रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप और उनके सपोर्टर की तुलना में 644 मिलियन डॉलर अधिक खर्च किए। एनपीआर विश्लेषण के अनुसार, मार्च से अब तक डेमोक्रेट्स से जुड़े समूहों ने 1.6 बिलियन डॉलर खर्च किए हैं।

अब10वीं के बाद सीधे बीएएमएस में मिल सकेगा एडमिशन

नई दिल्ली। अब कक्षा 10वीं उत्तीर्ण छात्र भी आयुर्वेद चिकित्सा में स्नातक (बीएएमएस) पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश ले सकेंगे। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआइएसएम) ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इस नई व्यवस्था के तहत नीट यूजी परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें शामिल होकर छात्र बीएएमएस में प्रवेश ले सकेंगे। यह पाठ्यक्रम साढ़े सात वर्ष का होगा, जिसमें प्रारंभिक दो वर्ष प्री-आयुर्वेद के लिए निर्धारित किए गए हैं। इस दौरान विद्यार्थियों को आयुर्वेद के आवश्यक विषयों के साथ संस्कृत और अन्य संबंधित विषयों का अध्ययन कराया जाएगा। एनसीआइएसएम ने बताया कि यह पाठ्यक्रम 2025-26 सत्र से शुरू होगा, और शिक्षण सत्र प्रतिवर्ष अक्टूबर में प्रारंभ होगा। आयुर्वेद चिकित्सा में स्नातक पाठ्यक्रम में अब कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता नहीं रहेगी, जिससे अधिक छात्रों को इस क्षेत्र में कदम रखने का अवसर मिलेगा। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने कहा कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत के ग्रंथों का गहन अध्ययन कराकर आयुर्वेद चिकित्सक बनाना है। पहले दो वर्षों में विद्यार्थियों को संस्कृत, भौतिक विज्ञान, रसायन शास्त्र, गणित, जीवविज्ञान और आयुर्वेद का परिचय दिया जाएगा। इस नए पाठ्यक्रम के माध्यम से, युवा छात्रों को आयुर्वेद चिकित्सा में प्रवेश पाने का एक नया अवसर मिलेगा, जो भारतीय चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

2015 से 2023 तक भारत में 17.7% तक कम हुए टीबी के मरीज

नई दिल्ली। भारत में तपेदिक (टीबी) के मरीजों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। यह दावा हुआ है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट से। इस रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट भी किया। इस बीमारी के खिलाफ भारत की प्रगति को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी अहम संदेश दिया है। नड्डा ने डब्ल्यूएचओ की ओर से टीबी संक्रमण के खिलाफ भारत की लड़ाई पर जारी एक रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि केंद्र सरकार टीबी मुक्त भारत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। उन्होंने आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि डब्ल्यूएचओ ने 2015 से 2023 तक टीबी की घटनाओं में 17.7 फीसदी की गिरावट की बात कही है और इस बीमारी से लड़ाई में भारत की जबरदस्त प्रगति को मान्यता दी है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में टीबी के केस कम होने की दर, वैश्विक गिरावट की 8.3 फीसदी की दर के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है। नड्डा ने टीबी के खिलाफ सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि टीबी मरीजों को आवश्यक पोषण संबंधी सहायता मुहैया कराई जा रही है और कई तरह की दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता बढ़ा चुके टीबी के इलाज के लिए भी दवा देने का नया तरीका लाया गया है। उन्होंने टीबी के मामले कम होने पर स्वास्थ्य मंत्रालय और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, सराहनीय प्रगति! टीबी के मामलों में कमी आना भारत के समर्पित और अभिनव प्रयासों का परिणाम है। एक सामूहिक भावना के माध्यम से, हम टीबी मुक्त भारत की दिशा में काम करते रहेंगे।

बेटे ने पिता को बंद कर कमरे में लगा दी आग, बुजुर्ग 70 फीसदी झुलसा

भोपाल। राजधानी भोपाल के बैरसिया इलाके में रहने वाले एक किसान को उसके ही बेटे ने जिंदा जला दिया। 70 प्रतिशत जलने के कारण किसान की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। आरोपी बेटे की तलाश की जा रही है। वारदात के बाद वह फरार है। पुलिस की शुरुआती जांच में पिता-पुत्र के बीच जमीन के एक टुकड़े को लेकर पुराना विवाद होने की बात सामने आई है। घटना के समय झुलसा बुजुर्ग नशे में था। थाना प्रभारी अरुण शर्मा के मुताबिक करण कुशवाह (70) अर्जुनखेड़ी में रहते हैं। वह गांव में ही स्वयं की जमीन पर खेती किसानी करते हैं। जमीन के एक एकड़ के टुकड़े को उनका बड़ा बेटा भवानी अपने नाम कराना चाहता था। जबकि पिता राजी नहीं थे, इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद है। शनिवार की रात को पिता नशे की हालत में घर पहुंचे। वहां बेटे का उनसे विवाद हो गया। बेटे ने पिता को एक कमरे में बंद कर कमरे में आग लगा दी। जिससे बुजुर्ग बुरी तरह से झुलस गया। आग देख पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने आग को बुझाया और बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया। जहां निजी अस्पताल में उसका उपचार जारी है।

जम्मू कश्मीर में फिर आतंकी हमला, संडे मार्केट में ग्रेनेड ब्लास्ट, 12 जख्मी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर के नजदीक संडे मार्केट में रविवार को ग्रेनेड ब्लास्ट हुआ। इसमें 12 लोग घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद हमलावरों को पकड़ने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। घायलों की संख्या बढ़ सकती है। श्रीनगर में पिछले 2 साल में यह दो दिन में लगातार दूसरी आतंकी वारदात है। 2 नवंबर को खान्यार इलाके में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। एक घर में 2 से 3 आतंकी छिपे थे। सेना ने घर को बम से उड़ा दिया। इसमें एक पाकिस्तानी आतंकी मारा गया था। घटनास्थल से आतंकी की बॉडी और गोला-बारूद बरामद किए गए। हालांकि इस मुठभेड़ में 4 जवान भी घायल हुए थे। शनिवार को अनंतनाग में भी सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 2 आतंकियों को ढेर किया था। एक की पहचान जाहिद राशिद के रूप में हुई। वहीं दूसरा अरबाज अहमद मीर था। दोनों को पाकिस्तान में ट्रेनिंग मिली थी।

न्यूजीलैंड से टीम इंडिया की हार पर बीसीसीआई खफा, होगी दिग्गजों की छुट्टी!

मुंबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार तीसरा टेस्ट मैच गंवाने के बाद भारत को 0-3 से इस सीरीज में करारी हार मिली। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम की इस शिकस्त का सबसे बड़ा कारण बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन रहा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भी घर में सूपड़ा साफ होने के बाद भारतीय टीम से खफा है। अब एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को इस प्रारूप से संन्यास का ऐलान करना पड़ सकता है। भारतीय टीम इस महीने के अंत में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम है। फाइनल में पहुंचने के लिए टीम को अब पांच में चार मुकाबले हर हाल में जीतने होंगे जबकि एक मैच ड्रॉ कराना होगा।

इस तरह बाहर किए जाएंगे दिग्गज-पीटीआई की रिपोर्ट में खुलासा है कि बीसीसीआई डब्ल्यूटीसी के अगले चक्र की शुरुआत से पहले अनुभवी खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से बाहर का रास्ता दिखाने की योजना बना सकती है। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन में से कम से कम दो के लिए अंतिम हो सकती है। ये चारों खिलाड़ी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के आखिरी चरण में हैं। जब रोहित से भारत के टेस्ट भविष्य के बारे में उनके विचार पूछे गए तो उन्होंने कहा, देखिए, मुझे नहीं लगता कि हम इतना आगे की सोच सकते हैं। अगली सीरीज पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है, जो कि ऑस्ट्रेलिया है।

अभी कोई छेड़छाड़ नहीं होगी- रिपोर्ट में आगे बताया गया कि बीसीसीआई के दिग्गजों और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित के बीच उम्रदराज खिलाड़ियों के साथ टीम के आगे बढ़ने के बारे में अनौपचारिक चर्चा हो सकती है। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि इसका निश्चित रूप से आंकलन किया जाएगा और यह अनौपचारिक हो सकता है क्योंकि टीम 10 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। यह एक बड़ी हार है लेकिन ऑस्ट्रेलिया सीरीज करीब है और टीम की घोषणा पहले ही हो चुकी है, इसलिए अभी कोई छेड़छाड़ नहीं होगी।

नए खिलाड़ियों को मौका देने की मजबूरी- बीसीसीआई के सीनियर अधिकारी ने आगे कहा कि भारत अगर इंग्लैंड में खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करता है, तो इस बात की काफी संभावना होगी कि इन चारों में से कुछ नाम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में नहीं होंगे। इन चारों ने घरेलू मैदान पर संभवत- एक साथ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेल लिया है। भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की दौड़ में अब भी बनी हुई है। टीम अगर ऐसा करने में नाकाम रही तो अगले डब्ल्यूटीसी चक्र में उसका अभियान इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से शुरू होगा। इसका आगाज 20 जून से होगा। चयन समिति साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल जैसे खिलाड़ियों को मौका देकर दीर्घकालिक संभावनाओं पर विचार करने के लिए मजबूर हो सकती है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार दिख रहे हैं। वाशिंगटन सुंदर अगले 10 वर्षों के लिए एक मजबूत संभावना के रूप में उभर रहे हैं, ऑस्ट्रेलिया सीरीज समाप्त होने के बाद भारत में अश्विन के भविष्य पर चर्चा हो सकती है।

60 दिन में होंगी 48 लाख शादियां होगा 6 लाख करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली। दिवाली के फेस्टिवल सीजन से देश की अर्थव्यवस्था को एक बड़ा बूस्ट मिला है। दीपों के उत्सव के दौरान लगभग 4.25 लाख करोड़ रुपए के सामान की खरीदारी की गई है। अब कारोबारियों की निगाहें शादियों के सीजन पर टिकी हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल के मुताबिक, इस वर्ष नवंबर-दिसंबर में करीब 48 लाख शादियां होंगी। इसके चलते देश में 6 लाख करोड़ रुपए का व्यापार होने की उम्मीद है। दिल्ली में ही 4.5 लाख शादियां होने का अनुमान है। विवाह समारोह के चलते राष्ट्रीय राजधानी में 1.5 लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। इस साल शादी के लिए 18 शुभ मुहूर्त हैं। कैट के एक अध्ययन के अनुसार, शादियों का सीजन देवउठनी एकादशी 12 नवंबर से शुरू हो रहा है और 16 दिसंबर तक चलेगा। अनुमानित 48 लाख शादियां होने का अनुमान है। रिटेल क्षेत्र, जिसमें सामान और सेवाएं दोनों शामिल हैं, उसमें लगभग 6 लाख करोड़ रुपएका व्यापार होने की उम्मीद है। पिछले साल इस सीजन में 35 लाख शादियों से कुल 4.25 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ था। इस साल शुभ विवाह मुहूर्त की तिथियों में वृद्धि होने के कारण व्यापार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का अनुमान है। वर्ष 2023 में 11 शुभ मुहूर्त थे, जबकि इस वर्ष 18 मुहूर्त होने से व्यापार को और अधिक बढ़ावा मिलने की संभावना है। कैट की वेद एवं अध्यात्म समिति के संयोजक आचार्य दुर्गेश तारे के अनुसार, इस साल के शादी सीजन में नवंबर में शुभ तिथियां 12, 13, 17, 18, 22, 23, 25, 26, 28 और 29 हैं, जबकि दिसंबर में ये तिथियां 4, 5, 9, 10, 11, 14, 15 और 16 हैं। इसके बाद लगभग एक महीने तक शादियों के सीजन में विराम होगा और 2025 के मध्य जनवरी से विवाह समारोह फिर से शुरू होंगी। वे मार्च तक जारी रहेंगे। देश भर के 75 प्रमुख शहरों में शादी से संबंधित वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार करने वाले प्रमुख व्यापारी संगठनों से चर्चा के आधार पर प्राप्त आंकड़ों से कैट ने यह अनुमान लगाया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया, इस अध्ययन से यह भी पता चला है कि उपभोक्ता के खरीदी व्यवहार में बड़ा परिवर्तन आया है। अब वह विदेशी सामान के मुकाबले भारतीय उत्पादों को खरीदने में ज्यादा तरजीह दे रहा है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने शादी के खर्चों का ब्योरा देते हुए कहा, इस सीजन में अनुमान के मुताबिक देश भर में 10 लाख शादियां, 3 लाख रुपएके खर्च पर संपन्न होंगी। 10 लाख शादियां, 6 लाख रुपए के खर्च पर होंगी। 10 लाख शादियां, 10 लाख रुपए, 10 लाख शादियां, 15 लाख रुपए, 7 लाख शादियां, 25 लाख रुपए, 50,000 शादियां 50 लाख रुपए, 50,000 शादियां, 1 करोड़ या उससे अधिक के खर्च पर संपन्न होंगी।

इंदौर-उज्जैन मेट्रो के लिए इसी महीने मिल सकता है डीपीआर

2028 तक प्रोजेक्ट पूरा होने की उम्मीद

इंदौर। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को इस महीने प्रस्तावित इंदौर-उज्जैन मेट्रो रेल परियोजना के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से एक डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। प्रस्तावित मेट्रो मार्ग के सुपर कॉरिडोर डिपो से आगे बढ़ने की उम्मीद है, जो लवकुश चौराहे से होकर गुजरेगा और लगभग 45 किमी लंबे इंदौर-उज्जैन राजमार्ग के समानांतर चलेगा। एमपीएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक एसके चैतन्य ने परियोजना के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा कि डीपीआर प्राप्त होने के बाद, इसे बजट अनुमोदन के लिए राज्य सरकार को भेजा जाएगा। अधिकारियों का लक्ष्य 2028 में उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ मेले से पहले इस परियोजना को पूरा करना है, ताकि पवित्र शहर में आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों के सफर को सुविधाजनक बनाया जा सके।

कम समय में पूरी होगी यात्रा यदि इंदौर-उज्जैन मेट्रो रेल परियोजना लागू की जाती है, तो इससे दोनों शहरों के बीच कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, यात्रा का समय कम होगा और क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। एमपीएमआरसीएल ने अगले साल जनवरी तक लगभग 6 किमी लंबे सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर में इंदौर मेट्रो का व्यावसायिक संचालन शुरू करने का दावा किया है। 58 किमी के कॉरिडोर में 7 स्टेशन प्रस्तावित हैं। मेट्रो ट्रेन यह दूरी करीब 50 से 60 मिनट में तय कर लेगी। इंदौर से मेट्रो को रिंग रूट के साथ ही उज्जैन तक भी चलाने की कवायद एक साल से चल रही है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इंदौर से उज्जैन और पीथमपुर, देवास के बीच मेट्रो के लिए फिजिबिलिटी सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की थी।

2025 तक व्यावसायिक संचालन एमपीएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक एसके चैतन्य ने कहा कि हम तय कार्यक्रम के अनुसार काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जनवरी 2025 तक इंदौर मेट्रो का व्यावसायिक संचालन शुरू करने का हमारा लक्ष्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल प्राधिकरण, इंदौर नगर निगम (आईएमसी) के समन्वय से, इंदौर मेट्रो रेल एलिवेटेड कॉरिडोर पर चल रहे वर्षा जल संचयन प्रणाली को पूरा करने के लिए काम कर रहा है।

7 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे सिंहस्थ-2028 और उज्जैन रोड पर हो रहे विकास को देखते हुए इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में सिंहस्थ के लिए हुई मंत्री समूह की बैठक में इसकी डीपीआर तैयार करने के लिए कहा है। यह कार्य दो महीने में पूरा करके इस पर निर्णय लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट को बनाने में करीब 7 हजार करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान है।

पीथमपुर में बनेंगे वंदे भारत के स्लीपर कोच और इलेक्ट्रिक बसें

इंदौर। मध्यप्रदेश में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। प्रदेश के पीथमपुर में युवाओं को रोजगार मिलने वाला है, यहां पर पिनेकल मोबिलिटी कंपनी 600 करोड़ रुपए इंन्वेस्ट करेगी, मिली जानकारी के अनुसार शुरुआत में 500 लोगों को रोजगार दिया जाएगा, इसके बाद नौकरी करने वालों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, यहां पर वंदे भारत ट्रेन के स्लीपर कोच बनाए जाएंगे। पीथमपुर में पिनेकल मोबिलिटी कंपनी 600 करोड़ रुपए इंन्वेस्ट करेगी, इसमें 1000 लोगों को रोजगार देने का प्लान है। बता दें कि 48 एकड़ में बनने वाले इस प्लांट का सीएम मोहन यादव ने बीते महीने में वर्चुअली शुभारंभ किया था। इसमें इलेक्ट्रिक बसों को तैयार किया जाएगा, यह प्लांट 2 साल में तैयार हो जाएगा। इसके अलावा इसमें इंडस्ट्रीयल ऑपरेशन भी शुरू हो जाएंगे। कंपनी इस प्लांट के अलावा सेक्टर 7 में एक दूसरा प्लांट भी बना रही है, जहां पर वंदे भारत ट्रेन के स्लीपर कोच को तैयार किया जाएगा, इस कंपनी के पहले से ही पीथमपुर में दो प्लांट हैं।

स्लीपर कोच प्लांट का आधे से ज्यादा काम पूरा मिली जानकारी के अनुसार पीथमपुर के सेक्टर 7 में वंदे भारत के स्लीपर कोच बनाए जाएंगे, इसके लिए कंपनी के द्वारा प्लांट बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह प्लांट आधे से ज्यादा बनकर तैयार भी हो गया है। इस प्लांट का निर्माण करीब 12 एकड़ में किया जा रहा है, साथ ही साथ यह भी बताया गया है कि यह प्लांट 2025 में काम करना भी शुरू कर देगा। यहां पर रेलवे की सीटें और एंबुलेंस तैयार करने का प्लान है। बता दें कि यहां पर लगभग हर साल 15 हजार सीटें बनाई जाएंगी, इसके अलावा वंदे भारत की स्लीपर कोच बनाने के साथ चेयर कार, सीटें और एंबुलेंस बनाने का भी काम किया जाएगा।

1500 लोगों को मिलेगा रोजगार कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि पिनेकल ईवी बस और ट्रक के प्लांट में 500 और स्लीपर कोच के प्लांट में भी 500 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देगी। वहीं एमपीआईडीसी सूत्रों की मानें तो कंपनी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से दोनों प्लांट्स को मिलाकर लगभग 1500 लोगों को रोजगार देगी। यह प्लांट मार्च 2025 में काम करना शुरू कर देगा। इस प्लांट से सिर्फ रेलवे की सीटें और एंबुलेंस तैयार की जाएंगी। इस प्लांट की कैपेसिटी लगभग 15 हजार सीट प्रति वर्ष बनाने की रहेगी। यहां पर वंदे भारत के स्लीपर कोच बनाने के साथ ही चेयर कार, सीटें और एंबुलेंस बनाने का काम भी होगा।

आयशर मोटर्स में बन रही इलेक्ट्रिक बसें इसके अलावा जानकारी मिली है कि इंदौर के पीथमपुर में आयशर मोटर्स द्वारा पिछले साल से ही इलेक्ट्रिक बसों का निर्माण शुरू कर दिया गया है कंपनी द्वारा चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट कंपनी को 50 इलेक्ट्रिक बसें बनाकर सप्लाई भी कर दी गई हैं, ऐसे में पिनेकल कंपनी के इन प्लांट की शुरूआत होने के बाद यहां पर रोजगार और ज्यादा लोगों को मिलने लगेगा।

हिन्दू जागरण मंच ने जलाए बांग्लादेश के झंडे

इंदौर। बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों पर हो रहे अत्याचार और भगवा झंडे फहराने वाले धर्मगुरुओं पर प्रकरण दर्ज होने का विरोध इंदौर में हिन्दू जागरण मंच ने किया। कलेक्टोरेट तिराहे पर एकत्र कार्यकर्ता पहले बांग्लादेश मुर्दाबाद के नारे लगाते रहे। फिर बांग्लादेश के तीन-चार झंडे जलाए। उनका कहना था कि बांग्लादेश में लगतार हिन्दू विरोधी गतिविधियां हो रही है। वहां रह रहे हिन्दू परिवारों पर अत्याचार किया जा रहा है। इसे रोका जाना चाहिए। शाम को कलेक्टोरेट तिराहे पर मंच के कार्यकर्ता एकत्र होना शुरू हुए। सैकड़ों की संख्या में आए कार्यकर्ता नारेबाजी कर विरोध जताते रहे। इसके बाद बांग्लादेश के झंडे जलाए गए। मंच के सुमित हार्डिया ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों पर हो रहे अत्याचार का मंच लगातार विरोध करेगा। वहां के परिवारों की रक्षा भी हमारी सरकार की जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में भगवा झंडे फहराने वालों को राष्ट्रद्रोही समझा जा रहा है। बांग्लादेश में भगवा झंडे फहराने पर धर्मगुरु समेत 18 हिंदुओं पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हुआ है। शाम 5.30 बजे हिंदू जागरण मंच के कार्यकताओं ने बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी की। वे में हेमू कालनी चौराहा तक आए। फिर बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख मो. यूसुफ को जमकर कोसा। प्रदर्शनकारियों ने झंडे पर मो. यूसुफ के फोटो लगाए थे। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सुमित हार्डिया ने बताया कि बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। 2000 के पहले वहां 20% हिंदू थे। अब 5-7% बचे हैं। हाल ही में बांग्लादेश में भगवा झंडे फहराने पर धर्मगुरु समेत 18 हिंदुओं पर देशद्रोह का केस दर्ज किया गया। बांग्लादेश हमेशा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंधों की बात करता है, लेकिन इस तरह केस दर्ज कर तानाशाही का रवैया अपनाता है। हम देश के जिम्मेदार लोगों से अपील करते हैं कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें।

ट्रैफिक सुधार और पार्किंग की मुहिम फिर होगी शुरू

इंदौर। दीपावली त्योहार के कारण इंदौर नगर निगम और प्रशासन ने ट्रैफिक सुधार और बेसमेंट से अतिक्रमण हटाकर पार्किंग की व्यवस्था करने की मुहिम बंद कर दी थी, लेकिन त्यौहार निपटते ही इसे और तेज किया जाएगा। दीपावली से पहले चार मार्गों से अतिक्रमण हटाए गए थे, लेकिन सपना संगीता मार्ग पर व्यापारियों ने विरोध कर दिया था और कहा था कि त्यौहार के समय इस तरह के अभियान रोके जाना चाहिए। विरोध के बाद नगर निगम ने भी हाथ पीछे खींच लिए थे, लेकिन अब अफसरों ने फिर रणनीति बनाई है। दो-तीन दिन में फिर दोनो मुहिम शुरू की जाएगी। इंदौर के कई प्रमुख मार्गों पर दुकानदार फुटपाथ और आधी सड़कों पर सामान सजा देते है और ट्रैफिक बाधित होता है। इससे शहरवासियों को छुटकारा दिलाने के लिए प्रशासन और नगर निगम ने मिलकर सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने की मुहिम छेड़ी थी। इसके तहत चार प्रमुख मार्गों से 200 से ज्यादा दुकानों से अतिक्रमण हटाए गए। लोगों ने शेड लगाकर फुटपाथ और सड़क घेर ली थी। नो पार्किंग में खड़े वाहनों के भी पुलिस ने चालन बनाए। अब यह मुहिम मोबाइल कोर्ट के साथ चलाने की तैयारी है। मोबाइल कोर्ट के लिए नगर निगम ने एक विशेष वाहन भी तैयार कर लिया है।

50 से ज्यादा बिल्डिंगों की दुकानें सील इंदौर में बेसमेंट में पार्किंग के स्थान बनी दुकानों को प्रशासन सील कर रहा है। 50 से ज्यादा बिल्डिंगों के खिलाफ एक्शन लिया जा चुका है। अफसरों ने अन्य बिल्डिंगों को भी चिन्हित कर रखा है। इसके अलावा नगर निगम शहर के प्रमुख मार्गों से निजी कंपनियों की इंटरनेट व अन्य केबलें भी हटाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए जाहिर सूचना भी नगर निगम ने जारी कर दी है। कई जगह केबल तारों के कारण विद्युत पोल पर आग लगने की घटनाएं भी हो चुकी है।

एमपी पीएससी के इंटरव्यू आज से, चार-पांच माह चलेगा काम

इंदौर। सोमवार से मप्र लोक सेवा आयोग अगले चार से पांच माह तक इंटरव्यू करवाता नजर आएगा। सोमवार से जहां आयुष विभाग के व्याख्याता के इंटरव्यू होंगे तो बुधवार यानी 6 नवंबर को जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी के इंटरव्यू होंगे। सोमवार-मंगलवार को आयुष विभाग के व्याख्याता के विभिन्न पदों पर इंटरव्यू होंगे, जबकि बुधवार को जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी के छह पदों के लिए इंटरव्यू होने जा रहे हैं। वहीं 11 नवंबर से राज्य सेवा परीक्षा-2022 के इंटरव्यू शुरू होंगे, जो एक माह से ज्यादा समय तक चलेंगे। कुल 457 पदों के लिए 1550 से ज्यादा अभ्यर्थी इंटरव्यू देंगे। यह इंटरव्यू खत्म होते ही सप्ताह भर के भीतर सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा के 826 पदों (आठ विषयों के) के इंटरव्यू शुरू हो जाएंगे। इसके रिजल्ट आ चुके हैं और दिसंबर जनवरी में इंटरव्यू प्रस्तावित हैं। तारीख जल्द ही घोषित हो जाएगी। यह इंटरव्यू दो माह चलने की संभावना है। यानी फरवरी की शुरूआत तक चल सकते हैं। इसके तत्काल बाद राज्य सेवा परीक्षा-2023 (अगर कोर्ट से मामला सुलझा और रिजल्ट जारी हो गया तो) के इंटरव्यू शुरू हो जाएंगे। अगर कोर्ट में चल रहे मामले के कारण नवंबर अंत या दिसंबर में मुख्य परीक्षा का रिजल्ट ही जारी नहीं हो पाया तो सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा के पहले चरण के इंटरव्यू के तत्काल बाद राज्य सेवा परीक्षा-2024 के इंटरव्यू शुरू हो जाएंगे। पीएससी ने पूरा प्लान तैयार कर लिया है। कैलंडर के अनुसार प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, लेकिन जिनमें तकनीकी या कोर्ट से जुड़े मामलों की बात है, उन्हें आगे बढ़ा दिया जाएगा। 2024 व 2023 की राज्य सेवा परीक्षा के इंटरव्यू के बाद पीएससी तत्काल सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा के दूसरे चरण के 8 विषयों (734 पद) के इंटरव्यू शुरू कर देगा। यही नहीं इसके साथ या बाद में सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा के ही बचे हुए 19 सब्जेक्ट के 109 पदों के लिए इंटरव्यू शुरू हो जाएंगे।

वृद्धाश्रम में मनाया दीपावली का त्योहार, बुजुर्गों के चेहरे पर लाए मुस्कान

इंदौर। मेडीकेप्स विश्वविद्यालय के कल्चरल क्लब ने दीपावली का त्योहार वृद्धाश्रम में मनाया। इस दौरान बुजुर्गों के चेहरे पर खुशियां साफ दिखाई दे रही थीं। क्लब के सदस्यों ने डॉ. प्रीति जैन के मार्गदर्शन में दशरथ कोल्ड कॉइन सेवा ट्रस्ट (वृद्धाश्रम) का दौरा किया। इस आत्मीय पहल का उद्देश्य वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को खुशी और अपनापन देना था, जिससे उन्हें समाज के स्नेह और सम्मान का अहसास हो सके। कल्चरल क्लब के छात्रों ने सेवा भाव से प्रेरित होकर वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के लिए आवश्यक किराने का सामान और ताजे फल उपहार स्वरूप भेंट किए। इन उपहारों ने वृद्धाश्रम के माहौल को एक उत्सवमय रंग दिया और बुजुर्गों के जीवन में दिवाली की खुशियां बिखेरीं। उपहारों के साथ-साथ, छात्रों ने बुजुर्गों के मनोरंजन के लिए कई मनोरंजक गतिविधियां की। उन्होंने बुजुर्गों के साथ इंटरेक्टिव खेलों का आयोजन किया, जिससे वहां हंसी और खुशी का माहौल बना रहा। मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा प्रस्तुत नाट्य प्रदर्शन और मधुर संगीत का कार्यक्रम था, जिसने बुजुर्गों के दिलों को छू लिया और उन्हें त्योहार की खुशियों में सराबोर कर दिया। कल्चरल क्लब के इन प्रयासों ने बुजुर्गों के चेहरों पर मुस्कान ला दी, जो इस बात को दर्शाता है कि समाज में करुणा और साथ की कितनी अहमियत है। इस दवाली, कल्चरल क्लब की वृद्धाश्रम यात्रा ने यह संदेश दिया कि दिवाली की असली खुशी केवल रोशनी और उत्सव में नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन में गर्मजोशी और प्यार लाने में है

वैष्णव धाम में दीपोत्सव, छप्पन भोग एवं अन्नकूट महोत्सव मना

इंदौर। बिचौली मदार्ना मुख्य मार्ग इंदौर स्थित श्री वैष्णव धाम में पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व पर छप्पन भोग एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इस बीच आनंद वन रहवासी संघ द्वारा आयोजित भागवत कथा के शुभ अवसर पर महिलाओं ने मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा निकाली। श्री जागृति महिला मंडल की प्रभा खुराना, वन्दना जायसवाल, रचना गुप्ता, जयश्री शिंदे, इन्दिरा दुबे आदि ने बताया कि शाम 4 बजे से संध्या की शुरुआत हुई। इस दौरान महिला मंडल की सदस्याओं ने भजन-कीर्तन के माध्यम से मां एवं शिव परिवार का यशोगान एवं गुणगान किया। मंदिर में विराजित मां दुर्गा, मां काली, मां सरस्वती एवं शिव परिवार का पुष्प एवं फलों से विशेष श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर आरती के बाद पर्यावरण संरक्षण हेतु सभी भक्तों को तुलसी और औषधीय पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर भक्तों ने एक स्वर में शिक्षित बालिका, विश्वशान्ति, जल ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। संपूर्ण मंदिर प्रांगण में आकर्षक विद्युत सज्जा भी की गई।

छठ पर्व कल से, पूर्वांचल के लोग घाटों की सफाई और रंग-रोगन में जुटे

इंदौर। शहर में बसे पूर्वांचल के लोगों में दीपावली के बाद विशेषकर बिहार, झारखंड और उत्तरप्रदेश से आए परिवारों में छठ महा पर्व की तैयारी जोरो पर है। छठ महा पर्व के आगमन से शहर का संपूर्ण पूर्वांचल समाज छठी मैया की अद्भुत आस्था में रमा हुआ है। हर घर में छठी मैया के पारंपरिक लोक गीत गूंज रहे हैं। शहर में विभिन्न छठ पूजा आयोजन समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित घाटों की सफाई और रंग-रोगन के काम में जुट गई हैं। समितियों के पदाधिकारियों ने महा पर्व के सफल आयोजन हेतु तैयारियों का निरीक्षण कर सभी को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। इस वर्ष चार दिनी छठ महा पर्व का आरंभ 5 नवंबर को नहाय-खाय से होगा। 6 नवंबर को खरना मनाया जाएगा। 2024 में षष्ठी तिथि 7 नवंबर, गुरुवार को सुबह 12.41 बजे से शुरू होगी। यह 8 नवंबर शुक्रवार को सुबह 12.24 बजे तक चलेगी। उदया तिथि के अनुसार छठ महा पर्व का संध्या अर्घ्य 7 नवंबर को व्रत धारी देंगे। महा पर्व का समापन 8 नवंबर को प्रातः उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा।

इस बार मध्यप्रदेश में दिवाली पर 17 प्रतिशत कम जली बिजली

इंदौर। इस बार दीपावली जहां जोर-शोर से मनी, वहीं एलईडी सहित अन्य आधुनिक बिजली के उपकरण आ गए हैं, जिससे खपत में कमी आती है और यही इस बार दीपावली पर नजर भी आया। गत वर्ष की तुलना में इस बार पूरे प्रदेश में 2700 मेगावाट बिजली की खपत कम रही है। इंदौर में अवश्य खपत में इजाफा हुआ है और बिजली कंपनी का कहना है कि कहीं पर भी आपूर्ति में कोई परेशानी नहीं हुई और सौर ऊर्जा के जरिए भी अच्छी बिजली मिली है। गत वर्ष दीपावली के दिन प्रदेशभर में बिजली की मांग 16 हजार 130 मेगावाट की थी, जबकि इस बार यह मांग 13325 मेगावाट की रही है।

प्रदेश की कंपनियों ने ही पूर्ति कर दी बिजली की प्रदेश में धनतेरस एवं रूप चतुर्दशी के दिन भी पिछले वर्ष की तुलना में बिजली की मांग कम रही। इस बार धनतेरस के दिन बिजली की मांग 13322 मेगावाट एवं रूप चतुर्दशी के दिन 13343 मेगावाट रही। रूप चतुर्दशी के दिन दीपावली की तुलना में बिजली की मांग अधिक रही। प्रदेश में जितनी भी बिजली की मांग रही, उसकी शत प्रतिशत आपूर्ति प्रदेश की सभी विद्युत कंपनियों के सहयोग एवं समन्वय से सफलतापूर्वक की गई।

कहां से मिली कितनी बिजली इस बार दीपावली के दिन प्रदेश की 13325 मेगावाट बिजली मांग की आपूर्ति में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत का योगदान 2115 मेगावाट, जल विद्युत का 236 मेगावाट, इंदिरा सागर ओंकारेश्वर एवं सरदार सरोवर परियोजना का योगदान 1063 मेगावाट, सेंट्रल सेक्टर का अंश 2348 मेगावाट, सासन परियोजना का 1123 मेगावाट, आईपीपी का 1175 मेगावाट और नवीकरणीय ऊर्जा एवं अन्य का योगदान 5265 मेगावाट रहा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विगत वर्षों में दीपावली के दिन बिजली की मांग 2021-22 में 11371 मेगावाट, 2022-23 में 9846 मेगावाट और 2023-24 में 16130 मेगावाट रही। आर्किटेक्ट अतुल सेठ का कहना है कि बिजली इतनी अधिक घटती मांग मंदी का भी संकेत हो सकती है। अतुल सेठ ने कहा कि 17 प्रतिशत बिजली की मांग गिरना सामान्य बात नहीं है।

हवा की क्वालिटी गंभीर श्रेणी में एक तरफ बिजली की मांग में भले ही खपत कम रही हो, मगर इस बार दीपावली पर वायु प्रदूषण अवश्य बढ़ गया। इंदौर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 500 तक पहुंच गया, जो दर्शाता है कि मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी में हवा की क्वालिटी गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है।

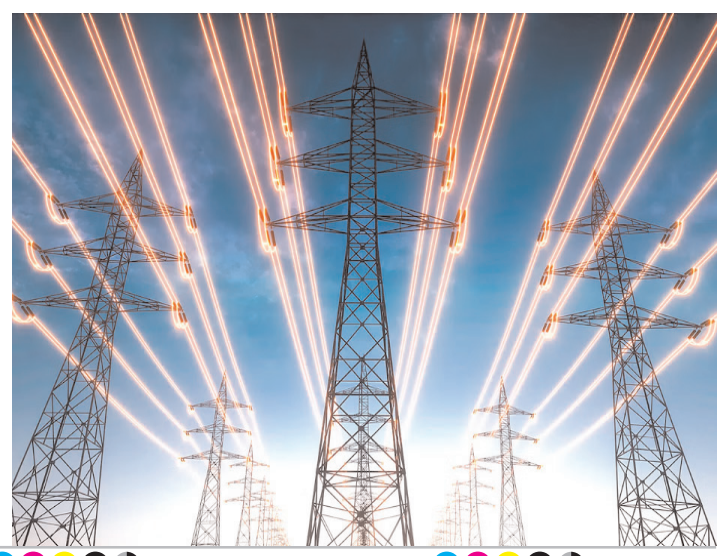

हाथियों की मौत के बाद बीटीआर में डटे राज्य और केंद्र के अधिकारी

भोपाल/ उमरिया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) में हाल ही में हुई दस हाथियों की मौत की जांच के लिए एक टीम का गठन किया है। इस सप्ताह की शुरूआत में मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दस हाथियों की मौत हो गई थी, जिसका संभावित कारण जहर माना जा रहा है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) ने मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में दस हाथियों की मौत की जांच के लिए एक टीम का गठन किया है। टीम इस मामले में स्वतंत्र जांच कर रही है।

मंत्रालय ने आगे बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने भी मामले की जांच करने और सरकार को रिपोर्ट सौंपने के लिए पांच सदस्यीय राज्य स्तरीय समिति का गठन किया है। मंत्रालय ने कहा कि पांच सदस्यीय समिति का नेतृत्व एपीसीसीएफ (वन्यजीव) कर रहे हैं। समिति में नागरिक समाज, वैज्ञानिक और पशु चिकित्सक शामिल हैं। मामले की जांच राज्य टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) के प्रमुख द्वारा भी की जा रही है। एसटीएसएफ ने जंगलों और आस-पास के गांवों की तलाशी ली है और घटना के बारे में गहन जांच कर रही है।

इन अधिकारियों ने जमाया डेरा मध्यप्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्यजीव वार्डन बांधवगढ़ में डेरा डाले हुए हैं और मामले में की जा रही जांच और कार्रवाई की निगरानी कर रहे हैं। अतिरिक्त वन महानिदेशक (प्रोजेक्ट टाइगर एंड एलीफेंट) और सदस्य सचिव, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, एआईजी एनटीसीए, नागपुर के साथ, ने भी साइटों का दौरा किया है और राज्य के अधिकारियों के साथ विभिन्न संबंधित मुद्दों और हाथियों की मौत के संभावित कारणों पर चर्चा की है।

हमलावर हाथी को पकड़ा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने रविवार शाम 4 बजे खितौली के जंगल से हमलावर हाथी को पकड़ लिया। उसे पानी के पास मोटी जंजीर से बांधकर रखा गया है। अभी उसके व्यवहार की निगरानी की जा रही है। हमलावर हाथी को पकड़ने वाली टीम में 4 हाथी, 10 गाड़ियों के साथ 100 अधिकारी-कर्मचारी तैनात थे। मेडरा 2 कैंप से अधिकारी निगरानी कर रहे थे। यहां चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन वीएन अम्बाडे भी थे। गौरतलब है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली परिक्षेत्र से जुड़े चंदिया और धमोखर परिक्षेत्र में हाथी ने तीन ग्रामीणों को कुचल दिया था, जिससे दो की मौत हो गई और एक घायल था। घटना शनिवार सुबह एनएच-43 से लगे देवरा गांव की है।

एक नर और नौ मादा हाथी की गई थी जान बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के गश्ती कर्मचारियों द्वारा 29 अक्टूबर को टाइगर रिजर्व के पतौर और खियातुली रेंज के सलखनिया बीट में चार हाथियों की मौत का पता लगाने के बाद यह घटना सामने आई। आसपास के इलाकों में आगे की तलाशी में, आसपास के क्षेत्र में छह और हाथी बीमार या बेहोश पाए गए। इलाज के दौरान बीमार हाथियों ने अगले दो दिनों में अपनी जान गंवा दी। उन 10 मृत हाथियों में से एक नर और नौ मादा थीं। जानकारी से पता चला कि 13 हाथियों के झुंड ने जंगल के आसपास कोदो बाजरा की फसल को तहस-नहस कर दिया था।

जहर खुरानी की आशंका मंत्रालय ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य के संबंधित अधिकारियों द्वारा साझा की गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हाथियों की मौत जहर के कारण हो सकती है। बयान में आगे कहा गया है कि मृत्यु का अंतिम कारण जांच, विस्तृत पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, हिस्टोपैथोलॉजिकल और टॉक्सिकोलॉजिकल रिपोर्ट के परिणाम और अन्य पुष्टि करने वाले साक्ष्यों के बाद ही पता लगाया जा सकेगा।

हाथियों ने दो ग्रामीणों को कुचला शनिवार को मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की सीमा के बाहर एक जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों को कुचल कर मार डाला। दोनों ग्रामीणों की पहचान अभी तक सुनिश्चित नहीं की जा सकी है। दोनों शौच के लिए जंगल गए थे। इस घटना को बदले के रूप में माना जा रहा है, क्योंकि यह घटना उस क्षेत्र से लगभग 25 किमी दूर हुई जहां 29 से 31 अक्टूबर के बीच तीन दिनों में 13 के झुंड के 10 जंगली हाथियों की मौत हो गई।

पार्क प्रशासन की लापरवाही सामने आई बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 10 जंगली हाथियों की जहरीला कोदो खाने से हुई मौत के मामले में पार्क प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। दरअसल, छत्तीसगढ़ में वर्ष 2019 में कोदो की फसल खाने से कई हाथी बीमार हुए थे, हालांकि वे तत्काल उपचार से बचा लिए गए थे। यदि इस घटना से सबक लेकर बांधवगढ़ क्षेत्र में पार्क प्रशासन ने हाथियों के भ्रमण क्षेत्र में कोदो की फसल खेत होने के चलते सतर्कता बरती होती तो शायद यह घटना नहीं होती। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर और बलरामपुर में पांच साल पहले कोदो की फंफूदयुक्त फसल खाने से बेहोश हुए हाथियों का उपचार करने वाले पशु चिकित्सक डॉ. अखिलेश मिश्रा को बांधवगढ़ आए हैं। टाइगर रिजर्व प्रशासन ने हाथियों की मौत की जांच के सिलसिले में इन्हें बुलाया है। यहां हाथियों की पोस्टमार्टम करने वाली टीम में भी शामिल रहे डॉ. मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया तो यही लग रहा है कि इन 10 हाथियों की मौत कोदो फसल खाने से हुई है।

हमीदिया अस्पताल में मरीज के चेहरे से हटाया गया 5 किलो का ट्यूमर

भोपाल। भोपाल के हमीदिया अस्पताल के बर्न एंड प्लास्टी विभाग में दुनिया की दुर्लभ बीमारियों में शामिल वान रेकलिंगौसेन से पीड़ित मरीज का सफल ऑपरेशन किया गया। मरीज को करीब 18 साल पहले सिर में चोट लग गई थी। सिर में खून की आपूर्ति करने वाली नस में लगी मामूली चोट ने वान रेकलिंगौसेन डिसीज नाम की दुर्लभ बीमारी का रूप ले लिया। बीमारी से चेहरे पर सिर के आकार का पांच किलो का ट्यूमर उभर आया। मरीज को 18 साल पहले सिर पर मामूली चोट लगी थी। इससे सिर में ब्लड सप्लाई करने वाली नस क्षतिग्रस्त हुई। ऐसे में चोट वाली जगह पर खून जमा होने लगा था। लेकिन, पीड़ित ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। घरेलू उपचार करते रहे और देखते ही देखते चेहरे पर सिर के आकार का ट्यूमर बन गया।

2014 में हुआ था ऑपरेशन, फिर से बन गया ट्यूमर 2014 में मरीज को हमीदिया में भर्ती कर ट्यूमर हटाया गया ?था। लेकिन ट्यूमर दोबारा बना और फिर से सिर के आकार का होने पर मरीज हमीदिया अस्पताल पहुंचे। दोबारा सर्जरी कर पांच किलो वजनी ट्यूमर निकाला गया। सूजन के बाद बना ट्यूमर-मूलतः रीवा के रहने वाले 42 वर्षीय अशोक गौतम को 2008 में सिर के पास मामूली चोट लग गई थी। कुछ दिनों बाद ही चोट वाली जगह पर सूजन आने लगी। सूजन ज्यादा और बढ़ी तो उन्होंने घरेलू उपचार किया। लेकिन, सूजन ने बढ़कर ट्यूमर का रूप ले लिया और इसका आकार बढ़कर सिर के बराबर हो गया। तब 2014 में परिजन इन्हें हमीदिया लाए थे। अशोक की सर्जरी करने वाले डॉ. आनंद गौतम ने बताया कि मरीज को चेहरे के पास चोट लगी थी। चोट के बाद यहां ब्लड जमा होने से ट्यूमर बन गया। सर्जरी करने पर पता चला कि साफ और गंदा खून मिलकर जमने से ट्यूमर बन गया।

ऑपरेशन के बाद इलाज के लिए नहीं आया मरीज डॉ. गौतम ने बताया कि 2014 में यह मरीज पहली बार आया था। तब सर्जरी कर ट्यूमर हटाया। तब इनको लगा कि ठीक हो गए और वे एक बार भी फॉलोअप के लिए नहीं आए। यही वजह रही कि आंख के पास फिर से ट्यूमर उभर आया। बावजूद इसके मरीज ने इलाज के लिए नहीं आया। जब ट्यूमर का आकार सिर के जैसा हो गया तब वे हमारे पास आए।

मुख्य आर्टरी में लगी थी चोट डॉ. गौतम ने बताया कि मरीज को चेहरे और गर्दन को ऑक्सीजन युक्त रक्त पहुंचाने वाली प्रमुख धमनी (एक्सटर्नल कैरोटेड आर्टरी) के दाहिने तरफ चोट लगी थी, जिसे सुपर फेसियल टेम्पोरल आर्टरी कहते हैं। चोट के बाद यहां खून भरने लगा और यह इसका आकार बढ़ने लगा। स्थिति यह हो गई थी कि इस जगह मरीज का साफ और गंदा खून आपस में मिलने लगा था। जब ऑपरेशन किया गया, तब पता चला कि इस जगह करीब पांच लीटर गंदा खून भरकर जम गया था।

इसलिए होती है वान रेकलिंगौसेन डिजीज वान रेकलिंगौसेन डिजीज का पता पैथोलॉजिस्ट डॉ. वान रेकलिंगौसेन ने किया था। जीन की संरचना में कोई बदलाव (म्यूटेशन) होने पर यह बीमारी होती है। यह एक दुर्लभ बीमारी मानी जाती है। इसमें बार-बार ट्यूमर जैसी स्थिति बन जाती है।

10 साल की बच्ची ने बदमाश को सिखाया सबक, पहुंचाया जेल

भोपाल। राजधानी भोपाल में 10 साल की बच्ची ने एक बदमाश को अच्छा सबक सिखाया। दरअसल दिवाली की रात परिवार के सभी लोगों ने लक्ष्मी पूजा की। फिर पूरी फैमिली ने जमकर आतिशबाजी की। इसके बाद सभी सोने चले गए। इस बीच पड़ोस में रहने वाले एक युवत गलत नीयत से दबे पांव घर में घुस गया। तभी उसकी नजर गहरे नींद में सो रही बच्ची पर पड़ी। फिर उसने बच्ची को गोच में उठाया और चुपचाप अपने साथ लेकर चला गया। आरोपी बच्ची के साथ कुछ करता इसके पहले मासूम की आंख खुली और उसने चिल्लाने की कोशिश की। बच्ची चीख पाती उससे पहले ही आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया। फिर भी बच्ची ने बहादुरी दिखाते हुए हाथ की उंगली युवक की आंख में डाली। इसके बाद आरोपी की पकड़ छूट गई। इतनी देर में बच्ची भाग कर अपने घर पहुंची और परिजनों को घटना की सूचना दी। मामला भोपाल के बाग सेवनिया थाना क्षेत्र का है। दरअसल रात में लगभग 12 बजे जब परिवार सो रहा था तब आरोपी दबे पांव झुग्गी में आया और सो रही 10 साल की मासूम बच्ची को उठाकर बाहर ले गया। फिर कुछ ही कदम चलने पर बच्ची की नींद खुली तो वह जोर से चिल्लाई। इसके बाद आरोपी ने बच्ची का मुंह दबाने की कोशिश की। बच्ची ने किडनैपर की आंख में उंगली डालकर वापस घर की ओर भाग गई। फिर उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई। मां ने बाहर आकर देखा तो आरोपी युवक को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह छुड़ाकर भाग निकला। हालांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. उसके खिलाफ नाबालिग बच्ची के अपहरण, अवैध रूप से घर में घुसना और छेड़छाड़ करने के साथ ही पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मप्र में गिरने लगा पारा, पचमढ़ी रहा सबसे ठंडा, तेजी से बदलेगा मौसम

भोपाल। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल ने जानकारी देते हुए बताया सोमवार सवेरे करीब नौ बजे तक राज्य में मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि इस दौरान धुंध छाई रहेगी और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहने की आशंका जताई गई है। इसी के साथ विभाग ने बीते 24 घंटे के मौसम के बारे में भी जानकारी दी। प्रदेश में सबसे कम तापमान 12.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि आने वाले कुछ ही समय में मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिलेंगे।

राजगढ़ में सबसे ज्यादा तापमान बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के लगभग सभी संभागों के जिलों में मौसम शुष्क ही रहा है। इस दौरान सबसे अधिक तापमान राजगढ़ में 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा तालुन, पृथ्वीपुर, गुना और रतलाम में भी गरमी अधिक बनी रही। इन इलाकों में करीब 35-36 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं पचमढ़ी(नर्मदापुरम) में सबसे कम 12.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। इसके अलावा कल्याणपुर(शहडोल), मंडला, गिरवर(शाजापुर) और रीवा में भी ठंडक बनी रही। इन जगहों पर तापमान लगभग 15 डिग्री के आस-पास ही दर्ज किया गया।

दक्षिण-पूर्व अरब सागर में चक्रवात सक्रिय मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पूर्व अरब सागर में दक्षिण केरल तट से दूर माध्य समुद्र तल से करीब एक किलोमीटर की उंचाई पर चक्रवात परिसंचरण सक्रिय है। राजधानी भोपाल की बात करें तो बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री रहा वहीं अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री रहा। बारिश की बात करें तो राजधानी में बीते 24 घंटों में बारिश दर्ज नहीं की गई है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि आने वाले दिनों में प्रदेश में सर्दी का एहसास होने लगेगा।

पत्नी के सामने अंकल कहा तो भड़का युवाक, दुकानदार को पीटा

भोपाल। भोपाल के जाटखेड़ी में कस्टमर की पत्नी के सामने उसे अंकल बोलने दुकानदार को महंगा पड़ गया। अंकल बोलने से गुस्साए युवक ने दुकानदार को पीट दिया। शास्त्री फैशन शॉप के संचालक विशाल शास्त्री के साथ मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। कस्टमर ने अपने आधा दर्जन साथियों के साथ दुकान में घुसकर विशाल को बाहर निकाला। इसके बाद सरेराह उसे डंडे और बेल्ट से पीटने लगे। बीच बचाव करने आई एक महिला पर भी हमलावरों ने बेल्ट से वार किया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। मामले में मिसरोद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। विशाल शास्त्री ने बताया कि रोहित रिछारिया नाम का व्यक्ति शनिवार दोपहर को दुकान में पत्नी और एक बच्ची के साथ साड़ी खरीदने आया था। आमतौर पर कस्टमर से उसकी रेंज पूछी जाती है। मैंने भी रोहित से रेंज पूछी। उसने कहा कि एक हजार रुपए तक की साड़ी दिखा दो।

हजार रुपए तक की साड़ियां दिखाने पर उसे पसंद नहीं आई। उसने कहा कि ऊंची रेंज में भी दिखा दो, हमें ऐसा-वैसा मत समझो। तब मैंने उसे जवाब दिया कि अंकल मैं आपको ऐसा-वैसा नहीं समझ रहा हूं। अंकल बोलते ही वो नाराज हो गया और बहस करने लगा। कुछ समय बाद दुकान से वह चला गया। पत्नी-बच्ची को छोड़ने के बाद आधा दर्जन से ज्यादा युवकों के साथ लौटा। दुकान से घसीटकर सभी युवक विशाल को बाहर ले गए। सड़क पर लाने के बाद सभी ने उसके साथ जमकर मारपीट की। आरोपी हाथ में डंडे, बेल्ट और पाइप लिए हुए थे। वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी विशाल को पीट रहे हैं। इसी दौरान एक महिला उसे बचाने की कोशिश करती है। इस दौरान एक युवक ने महिला को भी बेल्ट से मारा। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान रोहित रिछारिया और माखन सिंह के रूप में की गई है। सभी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बदमाश की छेड़छाड़ से तंग किशोरी ने छोड़ दिया स्कूल जाना

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र में 16 साल की नाबालिग से पड़ोस में रहने वाले 50 साल के अधेड़ ने अश्लील हरकतें की। आरोपी करीब एक साल से छात्रा का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। परेशान होकर उसने स्कूल जाना तक छोड़ दिया था। घटना की शिकायत शनिवार रात पहुंचकर परिजनों ने कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक 16 साल की किशोरी इलाके में रहती है। उसने शिकायत करते हुए बताया कि पड़ोस में रहने वाला 50 साल का अधेड़ करीब एक साल से उसे परेशान कर रहा है। दिसंबर 2023 और जुलाई 2024 में आरोपी नाबालिग के साथ छेड़छाड़ भी कर चुका है लेकिन डर के मारे उसने यह बात किसी को नहीं बताई थी। किशोरी की खामोशी को देखकर आरोपी के हौसले बुलंद हो गए और वह उसे स्कूल आते-जाते परेशान करने लगा। आरोपी के डर से सहमी पीड़िता ने स्कूल जाना भी बंद कर दिया था। शनिवार को पीड़िता ने अपनी बहन को आरोपी के बारे में जानकारी दी। परिजन उसे थाने लेकर पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

दोस्तों के साथ पार्टी के बाद फ्लोर मील संचालक की संदिग्ध हालात में मौत

भोपाल। भोपाल के रातीबढ़ इलाके में स्थित पीपी लाउंज के एक रूम में फ्लोर मील संचालक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। शनिवार की देर रात तक उसने लाउंज में दोस्तों के साथ पार्टी की थी। रविवार की सुबह इसी लाउंज के एक कमरे में उसका शव मिला है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम के बाद रविवार की दोपहर को शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

एसआई मूलचंद मीणा ने बताया कि, सुमित काबूलाशी (29) पुत्र धीरेंद्र काबूलाशी निवासी वैशाली नगर में रहते थे। वह मंडीदीप में सुमित इंडस्ट्रीज नाम से फ्लोर मील का संचालन करते थे। उनके दो दोस्तों की आने वाले दिनों में शादी होने वाली है। इसी के चलते दोस्तों ने शादी से पहले बैचलर पार्टी पीपी लाउंज साक्षी ढाबे के पास की थी। रात 2:30 बजे तक करीब 10-12 दोस्तों ने पार्टी की। इसके बाद सभी वहीं बने अलग-अलग कमरों में सो गए। सुमित अपने अंकित नाम के एक दोस्त के साथ रूम में सोया था। अंकित ने सुबह करीब 7 बजे उठने के बाद सुमित को जगाने का प्रयास किया। उसके शरीर में किसी प्रकार की हलचल नहीं थी। उसने अन्य दोस्तों को मामले की सूचना दी। सभी उसे लेकर एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत के सही कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट मिलने पर ही हो सकेगा।

यूपी और तेलंगाना जाने वाली स्पेशल ट्रेन भोपाल एवं बीना स्टेशनों से गुजरेगी

भोपाल। रेलवे प्रशासन ने दिवाली और छठ पर्व पर हो रही यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हेतु 07175/07176 सिकन्दराबाद-गोरखपुर-सिकन्दराबाद स्पेशल ट्रेन शुरू की है। यह स्पेशल ट्रेन सिकन्दराबाद से 05 एवं 12 नवम्बर, 2024 प्रत्येक मंगलवार को और गोरखपुर से 07 एवं 14 नवम्बर, 2024 प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 07175 सिकन्दराबाद-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन सिकन्दराबाद से रात 9 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन दोपहर 1.50 बजे भोपाल पहुंच तीसरे दिन सुबह 06.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 07176 गोरखपुर-सिकन्दराबाद स्पेशल ट्रेन गोरखपुर से सुबह 8.10 बजे प्रस्थान कर रात 11:40 बजे भोपाल दूसरे दिन दोपहर 3:30 बजे सिकन्दराबाद पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी काजीपेट से, रामगुंडम, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर,, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, भोपाल, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी, भीमसेन, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बाराबंकी और बस्ती पर हॉल्ट लेगी।

संपादकीय

देश की जनगणना में राजनीति का गुणा-भाग

लोकसभा क्षेत्र के निर्धारण का एक मुख्य आधार जनसंख्या रही है, इसलिए माना जा रहा है कि परिसीमन के बाद लोकसभा में उत्तर भारत के राज्यों का हिस्सा अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगा, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में साउथ का दबदबा कमजोर पड़ेगा। देखना होगा कि सरकार साउथ की आशंका को मिटाने का क्या उपाय निकालती है। इस बार की जनगणना के साथ जाति की गणना का प्रश्न भी जुड़ा है। विपक्षी दलों की इस मांग को एनडीए से जुड़े कुछ दलों का भी समर्थन हासिल है।

इन दिनों जनगणना को लेकर चर्चा जोरों पर है। जैसे ही यह खबर सामने आई कि सरकार साल 2025 में जनगणना करा सकती है, वैसे ही इस पर सवाल उठने शुरू हो गए कि क्या जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी होगी? और क्या इस जनगणना का इस्तेमाल राज्यवार लोकसभा सीटों की संख्या तय करने में भी किया जाएगा? अगर जातीय जनगणना होती है तो उसका देश की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार ने जनगणना कराने का मन बना लिया है। हर दस साल के अंतर पर होने वाली जनगणना कायदे से 2021 में ही हो जानी चाहिए थी, लेकिन कोविड-19 महामारी से उपजे हालात के चलते इसे स्थगित करना पड़ा। लेकिन 2022 और 2023 के बाद अब 2024 भी बीतने को है। जनगणना में देरी से कई तरह की जटिलताएं पैदा हो रही हैं। लेटेस्ट डेटा उपलब्ध न होने की वजह से सरकारी योजनाओं के तहत फंड आदि के निर्धारण का काम भी 2011 के आंकड़ों के ही आधार पर हो रहा है, जो पुराने पड़ चुके हैं। इस बार की जनगणना को खास बनाने वाली एक बड़ी बात यह है कि इसके साथ परिसीमन संबंधी विवाद भी जुड़ गया है। देश में लोकसभा क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया 2002 में किए गए संशोधन की वजह से टली हुई थी। उसके मुताबिक 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही नया परिसीमन हो सकता है। अगर जनगणना नियमित अंतराल में होती तो परिसीमन का काम 2031 की जनगणना से मिले आंकड़ों के आधार पर होता। अब बदले हालात में यह 2027 में हो सकता है। इसका मतलब यह हुआ कि 2029 के लोकसभा चुनाव नए परिसीमन के मुताबिक होंगे। इस स्थिति ने दक्षिण और उत्तर के राज्यों का एक अवांछित विवाद खड़ा कर दिया है। चूंकि लोकसभा क्षेत्र के निर्धारण का एक मुख्य आधार जनसंख्या रही है, इसलिए माना जा रहा है कि परिसीमन के बाद लोकसभा में उत्तर भारत के राज्यों का हिस्सा अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगा, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में साउथ का दबदबा कमजोर पड़ेगा। देखना होगा कि सरकार साउथ की आशंका को मिटाने का क्या उपाय निकालती है। इस बार की जनगणना के साथ जाति की गणना का प्रश्न भी जुड़ा है। विपक्षी दलों की इस मांग को एनडीए से जुड़े कुछ दलों का भी समर्थन हासिल है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस मसले पर सरकार अपना रुख कितना और कैसे बदलती है। महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण की व्यवस्था भी इसी सेंसस के बाद लागू होनी है। साफ है कि इस जनगणना से आबादी के अलग-अलग तबकों की कई सारी उम्मीदें और आशंकाएं जुड़ी हैं, जो इसे सरकार के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण बनाती हैं।

साल 2025 में भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.9त्न रहने का अनुमान है। 2025 में भारत की जनसंख्या 146 करोड़ होने की संभावना है। संयुक्त राष्ट्र सोशल-इकोनॉमिक एजेंसी यूएनडीईएसए ने अप्रैल 2023 में भारत की आबादी चीन के बराबर 142 करोड़ होने या इससे ज्यादा होने का अनुमान जताया था। यूएनडीईएसए के मुताबिक भारत में 2035 तक उत्पादकता में इजाफा होगा। इसका कारण है कि गैरकामकाजी आबादी (15 साल से कम और 64 से अधिक) की कामकाजी आबादी (15 से 64 साल) पर निर्भरता अगले 11 साल तक लगातार घटने के आसार हैं। नेशनल सेंसस यानी राष्ट्रीय जनगणना अगले साल 2025 से शुरू होगी। इसके 2026 के शुरूआती महीने में खत्म होने की उम्मीद है।

जनगणना का एक सभ्यताई परिप्रेक्ष्य होना चाहिए। परंपराओं और लघु संस्कृतियों को समाजशास्त्रीय दृष्टि से देखना जनगणना को पूर्णता देता है। राष्ट्र निर्माण एक सतत प्रक्रिया है। इसमें गुण-दोष की खोज और समाधान के रचनात्मक रास्तों के अन्वेषण के लिए जनगणना को अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। पर ऐसा होता नहीं है। जनगणना पर राजनीति ने इसकी उपयोगिता और गुणवत्ता के बारे में स्थिर मन से ठोस चिंतन करने पर ताला लगा दिया है। अब तक की पंद्रह जनगणनाओं में आठ औपनिवेशिक काल में और सात स्वतंत्रता के बाद हुई। पहली व्यवस्थित जनगणना 1872 में हुई थी। सामान्यतया जनगणना का तात्पर्य जनसंख्या और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों का तुलनात्मक आंकड़ा जमा करना होता है। पर यह पूर्ण नहीं है।

मजबूत भारत उन्हें मंजूर नहीं...

कनाडा के उप-विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने संसदीय समिति को बताया था कि उन्होंने ही एक अमेरिकी समाचारपत्र को यह जानकारी लीक की थी कि कनाडा की भूमि पर हुई कुछ हत्याओं में भारतीय गृहमंत्री की संलिप्तता है। यह राजनय के स्थापित मानकों से एकदम विपरीत था। आमतौर पर ऐसी जानकारियां प्रमाण सहित पहले कूटनीतिक चैनल से संबंधित देश को दी जाती हैं, न कि मीडिया को।

उस दिन छोटी दीवाली थी। उल्लास के उन खूबसूरत लम्हों में खबर उभरी कि भारत और चीन की सीमाओं पर सालों से डटी सेनाओं की वापसी का काम पूरा हो गया है। शांतिकामियों का मुंह इस जानकारी के बाद खुद-ब-खुद मीठा हो चला था। उनकी खुशी क्षणिक साबित हुई। कुछ देर बाद स्तब्ध कर देने वाला दूसरा समाचार मिला। कनाडा के उप-विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने संसदीय समिति को बताया था कि उन्होंने ही एक अमेरिकी समाचारपत्र को यह जानकारी लीक की थी कि कनाडा की भूमि पर हुई कुछ हत्याओं में भारतीय गृहमंत्री की संलिप्तता है। यह राजनय के स्थापित मानकों से एकदम विपरीत था। आमतौर पर ऐसी जानकारियां प्रमाण सहित पहले कूटनीतिक चैनल से संबंधित देश को दी जाती हैं, न कि मीडिया को।

क्या कमाल है? आप संसार के सबसे बड़े लोकतंत्र के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं में से एक के विरुद्ध खबरें प्लांट करा रहे हैं और उसी संसदीय समिति के सामने आपके पुलिस प्रमुख कह रहे हैं कि इन हत्याओं में किसी का भी हाथ हो सकता है। मतलब साफ है, कनाडा की हुकूमत के पास ठोस साक्ष्य की जगह सिर्फ अलगाववादी प्रॉपगैंडा है। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत पर आरोप लगाते हुए स्पष्ट कर चुके हैं कि मैं यह जानकारी 'इंटेलिजेन्स सोर्सेज' के हवाले से दे रहा हूं। बिना प्रमाण ऐसे आरोप! यह बेशर्मी है या बिला वजह की हेकड़ी? ट्रूडो के विरोधी मानते हैं कि वे जान-बूझकर ऐसा कर रहे हैं, ताकि उन्हें सिखों के वोट मिल सकें। मुट्ठीभर अतिवादियों को यह राग भले रास आता हो, पर वहां बसे अधिकांश सिखों को खालिस्तान से कोई मतलब नहीं।

कनाडाई राजनेता लंबे समय से भारतीय संवेदनाओं पर आघात करते रहे हैं। आपको 23 जून, 1985 का कनिष्क विमान हादसा याद होगा। इस घृणित आतंकवादी वारदात के चलते 329 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। कनाडा ने इस दुर्दमनीय घटना को आज तक अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया। और तो और, इस कांड का प्रमुखतम अभियुक्त तलविंदर सिंह परमार कनाडा में शरण पाने के बाद इतना बेखौफ हो गया था कि वह भारत लौट आया, जहां 1992 में सुरक्षा बलों ने उसे मार गिराया।

आश्चर्य नहीं कि सन् 1973 से 2015 तक कोई भारतीय प्रधानमंत्री द्विपक्षीय वार्ता के लिए कनाडा नहीं गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभालने के बाद पाकिस्तान सहित तमाम देशों से भारत के रिश्ते सुधारने की पहल की थी। इसी नेकनीयती के तहत वह अगस्त 2015 में कनाडा गए थे। उस दौरे के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि भारत-कनाडा रिश्तों में गर्माहट आएगी। ट्रूडो और उनकी मंडली ने इस भलमनसाहत पर पानी फेर दिया है।

ऐसा नहीं होता, तो कनाडा ने भारत के उच्चायुक्त सहित सात राजनयिकों को बिना किसी खास कारण के निष्कासित न किया होता। इसे कनाडा का शत्रुतापूर्ण रवैया ही तो मानेंगे कि बड़ी संख्या में भारतीय आतंकवादी और अपराधी वहां शरण पाते हैं। यह भी गौरतलब है कि वहां दहशतगर्दों को तो आश्रय मिलता है, परंतु जिन लोगों ने जान जोखिम में डालकर पंजाब में आतंकवाद के दौरान राष्ट्र की अखंडता को सुरक्षित रखा, उनका वहां प्रवेश संभव नहीं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि कनाडा में शरण पाने वाले अलगाववादियों में ईरान और तुर्की के बाद भारतीयों का ही नंबर है।

यही नहीं, इस बार जिस तरह 23 साल से मनाई जाने वाली दीवाली के आयोजन को वहां यकायक रद्द कर दिया गया, वह भी कनाडा के राजनीतिक रवैये को जगजाहिर करता है। कनाडा में सिर्फ हिन्दुस्तानी हिंदू नहीं रहते, पाकिस्तान, बांग्लादेश, फिजी और तमाम अन्य देशों से गए हिंदुओं ने वहां पर अपनी रिहाइश बना रखी है। इसके बावजूद पर्याप्त सुबूत और वीडियो होने के बाद भी हिंदू मंदिरों पर हमला करने वाले आक्रामकों से अभी तक सख्ती से निपटा नहीं गया है। कुछ अन्य यूरोपीय मुल्क भी ऐसी लापरवाही के दोषी हैं।

जिनके अपने घर शीशे के हैं, वे भला दूसरों के घरों पर पत्थर कैसे फेंक सकते हैं? अफसोस इस बात का है कि इस मामले में अमेरिका ने भी उसके सुर में सुर मिला रखा है। क्या यह ताकतवर पश्चिमी देशों की सुनियोजित जुगलबंदी है? इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। आखिर क्या वजह है कि जिस दिन भारतीय और चीनी सैनिकों की वापसी संपूर्ण हुई, उसी दिन भारतीय गृहमंत्री पर बेबुनियाद आरोप जड़े गए? इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से जमीन तैयार की गई थी। ओटावा के सत्ता-सदन ने पहले कल्पित भारतीय 'एजेंट्स' पर तोहमत मढ़ी। हिन्दुस्तानी विदेश मंत्रालय ने इसका न केवल तार्किक खंडन किया, बल्कि कनाडा से प्रमाण उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया। इसका प्रामाणिक उत्तर देने के बजाय उसने भारतीय गृहमंत्री का नाम ही उछाल दिया। इससे सवाल उठ खड़ा हुआ है। क्या कुछ शक्तियों को मजबूत होता भारत और यहां के मजबूत प्रधानमंत्री पसंद नहीं हैं?

इस सवाल का जवाब जानने के लिए हमें शेख हसीना वाजेद के बयान पर पुनः नजर डालनी होगी। शेख हसीना ने तख्ता-पलट से कुछ दिनों पहले कहा था कि मुझे हटाने की साजिश विदेश में रची जा रही है। उन्होंने बाद में अमेरिका का नाम लिए बिना कहा था कि हमसे एक सामरिक महत्व के द्वीप की मांग की गई थी। राष्ट्रहित में जब मैंने मना किया, तो मेरे खिलाफ साजिश रची गई और मुझे जलावतन होना पड़ा। बताने की जरूरत नहीं कि शेख हसीना हमेशा से भारत की मित्र रही हैं। भारत व बांग्लादेश मिल-जुलकर आगे बढ़े और चीन भी मित्रतापूर्ण रवैया अपना ले, तो इस क्षेत्र को गति पकड़ने से कोई नहीं रोक सकता। पश्चिम के कुछ लोगों को यह गवारा नहीं।अतीत में भी ऐसा हो चुका है। वर्ष 1983 से 1984 के बीच इंदिरा गांधी द्वारा दिए गए बयानों को याद कीजिए। वे अकसर कहती थीं कि कुछ विदेशी ताकतें भारत को तोड़ने की साजिश रच रही हैं। उनका इशारा तथाकथित खालिस्तान आंदोलन की ओर हुआ करता था। कुछ सिख युवाओं को बरगलाने में तब पाकिस्तानी आईएसआई के अलावा कनाडा और अन्य पश्चिमी देशों में बसे अलगाववादियों का भी हाथ था। इन्हीं लोगों ने जरनैल सिंह भिंडरावाला को भस्मासुर बनाया था। इंदिरा गांधी इस तथ्य को समझती थीं।

यही वजह है कि अपनी हत्या से महज एक दिन पहले भुवनेश्वर की अपनी अंतिम जनसभा में उन्होंने अपने ऊपर हमले की आशंका को जता दिया था। उस समय भी हिन्दुस्तान को अस्थिर करने की साजिश को कदम-दर-कदम 'बिल्ड' किया गया था। क्या संयोग है! जिस दिन गृह मंत्री का कनाडाई संसदीय समिति के समक्ष जिक्र किया गया, उसके अगले दिन इंदिरा गांधी की चालीसवीं पुण्यतिथि थी। उन्होंने जिस अलगाववाद से लड़ते हुए जान गंवाई थी, उसका शुरुआती जाल पश्चिमी मुल्कों में ही बुना गया था। कहीं ऐसा तो नहीं कि बिना सुबूत भारतीय गृहमंत्री का नाम घसीट लेने के पीछे पश्चिम की उसी पुरानी ग्रंथि का उभार है? यह सही है कि इंदिरा और मोदी के हिन्दुस्तान में बुनियादी फर्क है, पर हमारा रक्तरंजित अतीत चेताता है कि भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान और भारतीयों को हर क्षण सजग रहना होगा।बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बेतुके आरोप लगाने वाले कनाडा पर भारत ने चेतावनी दी है कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों के द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणाम होंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब करते हुए कड़ा विरोध भी जताया है। पिछले साल खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में खटास आ गई है और हाल के दिनों में कनाडा ने भारत के खिलाफ बिना सबूत के कई बेतुके आरोप लगाए हैं।

सबके हितों की चिंता करे सरकार, तभी होगा विकसित भारत का सपना साकार

छले दिनों केंद्र सरकार ने अस्सी वर्ष से यादा उम्र के अपने पेंशनधारियों के अनुकंपा भत्ते में 20 से 100 प्रतिशत तक वृद्धि करने की घोषणा की। यह अतिरिक्त पेंशन होगी। सरकार का यह फैसला चकित करता है। आखिर वह इतनी दयालुता क्यों दिखा रही है? क्या उसने ऐसा कोई अध्ययन किया कि 80 साल से अधिक आयु वाले सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों की वित्तीय हालत अच्छी नहीं है?

इस उम्र तक आते-आते तो लोगों की जरूरतें न्यूनतम हो जाती हैं, फिर अनुकंपा भत्ते में इतनी वृद्धि क्यों? वैसे मानवीय दृष्टिकोण से विचार करें तो बुजुर्गों, दिव्यांगों और गरीबों की चिंता करना हर कल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारी है और सरकारें उसे अपनी सामर्थ्य भर पूरा कर भी रही हैं, लेकिन जब खुशहाली के पैमाने पर हमारी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, तब हमें पहले नौजवान पीढ़ी, नवजात बचों, उनकी माताओं और मजदूरों की चिंता करनी चाहिए, न कि उन बुजुर्गों की, जिनका जीवन सरकारी नौकरी में पहले से ही सभी पैमाने पर देश के आम आदमी से कहीं अच्छा है।

सरकारी नौकरी में रहते हुए कर्मचारियों को तमाम सुविधाएं मिलती हैं। रिटायरमेंट के बाद भी उन्हें अच्छी-खासी पेंशन मिलती है। अभी हाल में सरकार ने तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता और बढ़ाया है। सभी सरकारी कर्मचारियों को मेडिकल सुविधाएं मुफ्त में मिलती हैं। रेलवे और कुछ अन्य विभागों में रिटायरमेंट के बाद कर्मचारियों को यात्रा के लिए सरकारी पास, तो रक्षा और दूसरी नौकरियों में रियायती दर पर सामान आदि मिलते हैं। नौकरी में रहते हुए उन्हें सरकारी घर, दफ्तर आने-जाने के लिए कार आदि की सुविधा, यात्रा भत्ता, लीव इनकैशमेंट, बोनस आदि मिलते हैं।

केंद्रीय सेवाओं में लगभग 35 लाख सरकारी कर्मचारी और 70 लाख पेंशनधारी हैं। मेडिकल और दूसरी सुविधाओं की वजह से आज लोगों की औसत उम्र भी अछी हो गई है। यही कारण है कि सरकारी बजट में पेंशनधारियों का बोझ मौजूदा सरकारी कर्मचारियों से लगभग दोगुना है। इन्हीं सब वजहों से 2004 में सबकी सहमति से पुरानी पेंशन स्कीम के बजाय नई पेंशन स्कीम लागू की गई थी। उसके प्रति असंतोष को देखते हुए सरकार सरकारी कर्मियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम लाई है। एक अछी लोक कल्याणकारी सरकार वह होती है, जो देश के हर नागरिक की चिंता करे।

इसी देश में निजी क्षेत्र में पूरी उम्र गुजारने के बाद भी करोड़ों कर्मचारियों के लिए संतोषजनक न्यूनतम पेंशन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इन कर्मियों की न्यूनतम पेंशन मात्र एक हजार रुपये है। आखिर निजी क्षेत्र के कर्मियों को सरकारी कर्मियों जैसी पेंशन क्यों नहीं मिलनी चाहिए? सरकारी कर्मचारी तो देश में मुश्किल से एक प्रतिशत हैं।

आखिर 99 प्रतिशत जनता को देने के लिए सरकार के पास क्या है? आज किसान गांव छोड़कर शहरों में मजदूर बनने के लिए अभिशप्त हैं। क्या सरकार के पास घरों में काम करने वाली महिलाओं के लिए कोई स्कीम है? पिछले दिनों खबर आई कि सरकार अपनी महिला कर्मचारियों के लिए भी हर महीने माहवारी छुट्टी पर विचार कर रही है। क्या निजी कंपनियां अपने यहां काम करने वाली महिलाओं को ऐसी छुट्टी देंगी?

सरकारी सेवाओं में कार्यरत महिलाओं के लिए 20 वर्ष पहले चाइल्ड केयर लीव शुरू हुई थी। वे अपने 18 वर्ष तक के बचों की पढ़ाई आदि के लिए दो वर्ष तक वेतन एवं सुविधाओं के साथ घर पर रह सकती हैं। अब पिता को भी कुछ राय सरकारें छुट्टी देने लगी हैं। पहले मातृ अवकाश तीन महीने का मिलता था, अब सरकारी कर्मचारियों को छह महीने मिलता है, जबकि मजदूर महिलाओं के बचे सड़कों और पार्कों में गर्मी एवं बरसात में घूमते रहते हैं।

अगर केंद्र सरकार की तर्ज पर राय सरकारें भी ऐसी रेवड़ियां बांटने की कोशिश करने लगीं तो फिर देश की आर्थिक स्थिति का क्या होगा? पंजाब और हिमाचल प्रदेश का उदाहरण हमारे सामने है। अछा तो यही होगा कि सरकारें बुनियादी ढांचे के साथ-साथ ऐसे उद्योगों में पूंजी लगाएं, जिनसे अधिक से अधिक रोजगार पैदा हों। बुजुर्गों की इतनी चिंता के बजाय नई पीढ़ी के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करना यादा जरूरी है।

सरकारी नौकरियों में भरपूर सुविधाएं और निजी एवं असंगठित क्षेत्र में सुविधाओं की कमी के समाज पर बुरे असर होते हैं। आज देश का हर युवा सरकारी नौकरी में जाना चाहता है। एक चपरासी की नौकरी के लिए इंजीनियरिंग, पीएचडी किए नौजवान आगे आते हैं। सरकारी नौकरियों की भर्ती में भ्रष्टाचार का कारण ऐसी ही सुविधाएं और रेवड़ियां भी हैं।

यही कारण है कि नेता चुनाव से पहले सरकारी नौकरियों की घोषणा सबसे पहले करते हैं। क्या निजी क्षेत्र के लोग सरकारी कर्मचारियों से कम काम करते हैं? क्या उनके काम की चुनौती कमतर है? क्या उन्हें सरकारी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं मिलती हैं? यदि नहीं तो क्यों? क्या सरकारी स्कूल के शिक्षक अपने बचों को भी सरकारी स्कूलों में पढ़ाते हैं? अब तो कालेज में पढ़ाने वाले भी अपने बचों को इंग्लैंड, कनाडा एवं अमेरिका भेजते हैं।

पिछले हफ्ते ही उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस बात पर चिंता जताई थी कि बचे पढ़ने विदेश भाग रहे हैं। पिछले वर्ष 14 लाख बचे पढ़ने के लिए बाहर गए। इसमें अरबों रुपये विदेश चले गए। ऐसे में संविधान में जिस समानता की बात की गई है, उसे ध्यान में रखते हुए सरकार केवल सरकारी कर्मचारियों के ही हितों की चिंता न करे। उसे सबका साथ-सबका विकास नारे के तहत सबकी चिंता करनी चाहिए। उसे यह संदेश नहीं देना चाहिए कि वह सरकारी कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए अधिक तत्पर और संवेदनशील है।

जनअपेक्षाओं से दूर होते अधिकारी, आम लोगों की सुनवाई को लेकर होना होगा संवेदनशील

दक्ष और संवेदनशील प्रशासन का विकल्प नहीं होता। गत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवा लोकसेवकों के साथ शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने पर चर्चा की। उन्होंने मजबूत फीडबैक और लोक शिकायत निस्तारण की पद्धति में सुधार की आवश्यकता बताई। उन्होंने युवा लोकसेवकों से आम जनों के जीवन को सुगम बनाने का आग्रह किया।

भारत में शासन चलाने के लिए अधिकारियों का बड़ा वर्ग है। सरकार संचालन के लिए व्यावसायिक रूप से दक्ष प्रशासनिक तंत्र की आवश्यकता होती है। संविधान निर्माता निष्पक्ष अधिकारियों का तंत्र चाहते थे। संविधान के अनुच्छेद 311 में प्रशासनिक तंत्र के अधिकार और सुरक्षा कवच वर्णित हैं। विश्व के किसी भी लोकतांत्रिक देश में सरकारी अधिकारियों को भारत जैसा कानूनी संरक्षण नहीं है। बावजूद इसके प्रशासनिक तंत्र जन अपेक्षाओं से दूर है। आम जनों में प्रशासनिक तंत्र के प्रति अच्छी धारणा नहीं है। तत्काल हो जाने वाला छोटा-सा काम भी वे समय पर नहीं करते। अधिकारी जन अपेक्षाओं की उपेक्षा करते हैं। प्रशासनिक तंत्र का रवैया चिंताजनक है। दरअसल भारत की प्रशासनिक व्यवस्था ब्रिटिश शासन की उधारी है। मारिस जांस ने लिखा था, 'सत्ता हस्तांतरण के साथ अंग्रेज चले गए, लेकिन प्रशासन तंत्र का आकार, कार्य के ढंग सब ज्यों के त्यों रहे।' संविधान सभा में ब्रिटिश संस्कारों वाले प्रशासनिक तंत्र की आलोचना हुई। हालांकि सरदार पटेल ने सभा में प्रशासन की प्रशंसा की। कहा कि 'मैंने इस कठिन समय में उनके साथ काम किया है। इन्हें हटा लिया गया तो अराजकता बढ़ेगी।' अंग्रेजी राज प्रशासन की इकाई जिला थी। तब के जिलाधिकारी श्रेष्ठ ग्रंथि के शिकार थे। वे राजा थे और भारत के लोग प्रजा। स्वतंत्रता के बाद लोक कल्याण और विधि के शासन की स्थापना पर देश आगे बढ़ा, लेकिन अफसरों की आम जनों से दूरी और बढ़ती गई। माना जाता है कि सिविल सेवाओं में प्रतिभाशाली लोग आते हैं। तमाम अधिकारी नतीजे देने की कोशिश करते हैं, लेकिन गरीबों, वंचितों और पीड़ितों के प्रति उनमें संवेदनशीलता दुर्लभ है। प्रशासनिक तंत्र के लिए काम पूरा न होने के कारण बताना आसान है। इसलिए प्रशासनिक सुधार की प्रक्रिया प्रत्येक समय अनिवार्य रहती है। ब्रिटिश सत्ता में भी प्रशासनिक सुधारों के लिए आयोग बनाए गए थे। 1918 में मांटेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट आई थी। 1948 में कस्तूर भाई लाल भाई के नेतृत्व में मितव्ययिता समिति बनी थी और 1949 में अयंगर समिति। 1951 में गोरेवाला समिति ने कई विषयों पर अपनी रिपोर्ट दी। अमेरिकी लोक प्रशासन विशेषज्ञ एप्पलेबी ने भी 1953 में भारत के लोक प्रशासन सर्वेक्षण पर रिपोर्ट पेश की थी। भ्रष्टाचार पुराना रोग है। देश में 1948 में जीप खरीद घोटाला चर्चा का विषय था। 1957 के मूंदणा घोटाले में केंद्रीय मंत्री भी शामिल पाए गए। तत्कालीन गृहमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने संपूर्ण तंत्र की समीक्षा और सुझाव के लिए के. संथानम की अध्यक्षता में समिति का गठन किया। 1964 में सतर्कता आयोग का गठन हुआ। 1966 में मोरारजी देसाई के नेतृत्व में प्रशासनिक सुधार आयोग बना। इसी बीच वह मंत्री बन गए। फिर के. हनुमंतैया को अध्यक्ष बनाया गया। आयोग ने अपनी पहली रिपोर्ट 1966 तथा दूसरी 1970 में दी। 2005 में वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग बना। उनकी रिपोर्ट भी बेनतीजा रही। संविधान की प्रस्तावना और नीति निदेशक तत्व सरकार और प्रशासन तंत्र के मार्गदर्शक हैं। प्रशासनिक तंत्र से उच्च स्तर की व्यावसायिक योग्यता की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री का आग्रह उचित और विचारणीय है। संविधान में कार्यपालिका नीति नियंता है। सरकार विधायिका के प्रति जवाबदेह है। प्रशासनिक तंत्र की सीधी जवाबदेही नहीं है। उसका दबदबा चिंताजनक है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के बीच तनाव रहता है। केंद्र ने विधायकों-सांसदों को सम्मान देने एवं पत्रोत्तर देने का शासनादेश पिछली सदी के सातवें दशक में जारी किया था। राज्य सरकारों द्वारा भी यह विषय बार-बार दोहराया जाता है, लेकिन प्रशासनिक तंत्र इसे महत्व नहीं देता। कुछ अधिकारी कहते हैं कि वे स्थायी कार्यपालिका हैं। विधायिका और सरकार का कार्यकाल पांच वर्ष का है। बेशक अधिकारियों का एक वर्ग कर्तव्य पालक है, लेकिन पुलिस का व्यवहार अच्छा नहीं है। वे साधारण बातचीत में भी ठीक व्यवहार नहीं करते। प्रशासनिक अधिकारियों को अपने आचार और व्यवहार को जनअपेक्षा के अनुरूप ढालना चाहिए। भारत दुनिया की प्राचीनतम सभ्यता और संस्कृति का धारक है। ऋग्वेद के रचनाकाल के समय भी यहां सुंदर प्रशासनिक व्यवस्था थी। राजनीतिक व्यवस्था की इकाई परिवार थी। अनेक परिवारों को मिलाकर ग्राम बनता था।

बालाघाट... लालबर्रा, औल्याकन्हार में चौथी मंडई को रात्रि में होगा दो महिला शायरों का जंगी मुकाबला

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, नगर मुख्यालय से सटी ग्राम औल्याकन्हार में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 5 अक्टूबर दिन मंगलवार को चौथी मंडई का भव्य आयोजन होना है,प्रेस को जानकारी देते हुए मंडई समीति अध्यक्ष श्री धनेन्द्र पटले ने बताया कि उक्त आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पुर्व में अति आवश्यक बैठक पंचायत के सभा कक्ष में आहुत की गई थी जिसमें सभी ग्रामीण जनों से आपसी चर्चा की गई। चर्चा में मंडई दिन रात की होना है इसी संबंध में रात्रि कालीन प्रोग्राम के लिए दो महिलाओं का मुकाबला होना तय किया गया। जिसमें मां त्रिवेणी जागरण ग्रुप बालाघाट गायिका कु. दीपिका लिल्हारे व मां दुर्गा शायरी मंडल सालेटेका गायिका श्रीमती आशा रनगिरे है कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति इस प्रकार से है धनेन्द्र पटले अध्यक्ष,मुकेश चौहान उपाध्यक्ष,अरुण बिसेन उपाध्यक्ष,राकेश नागेश्वर उपाध्यक्ष,राजेश बनवाले उपाध्यक्ष,शरद धानेश्वर सचिव, तपेश रंगारे सहसचिव,श्री सुशील ब्रम्हें कोषाध्यक्ष तथा संरक्षकगण में श्री ओ पी बिसेन चेयरमैन औल्याकन्हार फिजिकल क्लब व सरपंच प्रतिनिधि,छन्नूलाल कटरे, वहीं सदस्यों में प्रमुख रूप से सुरेश नागेश्वर,आकाश ब्रम्हें,संतोष सोनवाने,महेन्द्र चौहान,दीपक यादव,दीपक वराड़ें,विजय नागेश्वर,शिवप्रसाद राणा,रोहित हरिद्वाज,संदीप गुनेश्वर,कमल मेश्राम,रविशंकर यादव,सनम ब्रम्हें,राजा हरिद्वाज,लल्ला मेश्राम,मंगल सहारे,शीतल ब्रम्हें हैं जिसमें समिति अध्यक्ष श्री पटले ने अपील करते हुए कहा कि इस दिन रात के मंडई - मेलें में दुकानदार भाई अपनी अपनी दुकान लेकर पहुंचे,झुलेवालें, सहित अन्य सभी लोग सादर पुर्वक आमंत्रित हैं।

अनूपपुर में हुआ मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर जिला स्तरीय आयोजन

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के शासकीय एकलव्य आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के आडोटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर, नगरपालिका अनूपपुर की अध्यक्ष श्रीमती अंजुलिका सिंह द्वारा ज्ञान की देवी, वीणावादिनी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अनूपपुर की अध्यक्ष श्रीमती धनमती सिंह, जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष श्री राजीव सिंह, एसडीएम अनूपपुर श्री महिपाल सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के.के. सोनी, तहसीलदार श्री अनुपम पाण्डेय, लोकतंत्र सेनानी श्री मूलचंद्र अग्रवाल, श्री आधाराम वैश्य, श्री शिवरतन वर्मा, श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, श्री शैलेन्द्र सिंह, पार्षद श्रीमती ऋतु सोनी, अभियोजन अधिकारी श्री पुष्पेन्द्र मिश्रा, जनजातीय कार्य विभाग के क्षेत्र संयोजक श्री संतोष कुमार बाजपेयी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, नागरिक, छात्र-छात्राएं, शिक्षक तथा शासकीय सेवक, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार उपस्थित थे। स्थापना दिवस कार्यक्रम के शुभारम्भ के पश्चात् कन्या पूजन किया गया। तत्पश्चात् राष्ट्रगान व मध्यप्रदेश गान का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर समा बांधा गया। इस अवसर पर भारत ज्योति उ.मा.वि. के विद्यार्थियों ने जनजागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। जनजातीय परम्परा के गुदुम दल द्वारा परम्परागत वेशभूषा में पुष्पराजगढ़ के गुदुम दल के नृतकों ने प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में उत्साह, उमंग व हर्ष का वातावरण निर्मित किया। कार्यक्रम का संचालन शा. कन्या उ.मा.वि. के प्राचार्य डॉ. कौशलेन्द्र सिंह व जिला पंचायत के पीआरओ श्री अमित श्रीवास्तव द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन जनजातीय कार्य विभाग के क्षेत्र संयोजक श्री संतोष बाजपेयी द्वारा किया गया।

स्थानीय रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय एकलव्य आदर्श उ.मा.वि. के आडोटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय आयोजन में विविध सांस्कृतिक लोकरंग की प्रस्तुति के तहत केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर द्वारा स्वागत गीत, शासकीय कन्या शिक्षा परिसर अनूपपुर द्वारा यह देश है वीर जवानों का गीत का, शासकीय कन्या उ.मा.वि. अनूपपुर द्वारा शुभारंभ हो शुभारंभ मंगल बेला गीत का, सरस्वती उ.मा.वि. अनूपपुर द्वारा उठो जवान देश की वसुन्धरा पुकारती, शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. अनूपपुर द्वारा आयो रे शुभ दिन आयो रे, शासकीय मॉडल उ.मा.वि. अनूपपुर द्वारा डांडिया नृत्य, संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर द्वारा कर्मा लोकनृत्य तथा भारत ज्योति उ.मा.वि. अनूपपुर द्वारा नुक्कड़ नाटक की व पुष्पराजगढ़ के गुदुम दल द्वारा लोकनृत्य की शानदार, मनभावन प्रस्तुतियां दी गई।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर गौ पूजा के बाद हर्षोल्लास के साथ गाय खिलावन कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत टेंगनीखुर्द के ग्राम सालेभर्री में शनिवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर ग्रामवासियों द्वारा पूरी श्रद्धा के साथ गौ पूजन करने के बाद ग्राम स्थित गांधी चौक में हर्षोल्लास के साथ समस्त ग्रामवासियों द्वारा गाय खिलावन की रस्म पूरी की गई।

इस अवसर पर ग्राम के अहीर यादव (गोवारी) समाज के बंधुगण अपनी वेशभूषा में सज संवरकर बाजे गाजे की धुन पर अपने पारंपरिक लोकगीतों के गायन के साथ नृत्य करते हुए ग्राम भ्रमण कर मंडई स्थल गांधी चौक सालेभर्री पहुंचे जहां पर ग्राम के गणमान्य नागरिकों द्वारा गौ माता व बछड़े का तिलक वंदन कर भोजन का भोग लगाकर परंपरा अनुसार गौ माता की पूजा अर्चना करने के बाद हर्षोल्लास के साथ गाय खिलावन कार्यक्रम संपन्न किया गया।

इस अवसर पर ग्राम सरपंच प्रतिनिधि धनेंद्र राणा,कार्यक्रम अध्यक्ष खालीक खान,उपाध्यक्ष सुमरत नगपुरे,कोषाध्यक्ष रेखलाल अड़में, ग्राम मुकड़दम मुलचंद बरले सहित ग्राम का समस्त अहीर यादव समाज एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहें।

सहारनपुर में प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 12 दिवसीय प्रभातफेरियां हुई प्रारंभ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

(उत्तर प्रदेश) सहारनपुर । देवबंद, साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकलने वाली 12 दिवसीय प्रभात फेरियों की आज विधिवत शुरुआत हो गई। प्रात: काल 5:30 बजे प्रभातफेरी रेलवे रोड़ स्थित गुरूद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, लाजपत नगर कालोनी, ब्रहमपुरी कालोनी, अशोक विहार होते हुए कैलाशपुरम कालोनी स्थित विवेक अरोड़ा के निवास पर पंहुची जहां परिवार ने फूलों की वर्षा कर प्रभातफेरी का स्वागत किया। भाई गुरदयाल सिंह, चंद्रदीप सिंह, जितेश बतरा, सोनी बेदी, हरप्रीत कौर, चन्नी बेदी, पपिन्द्र कौर ने गुरवाणी का गायन कर संगत को निहाल किया। परिवार की ओर से

गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। गुरूद्वारा कमेटी के सचिव गुरजोत सिंह सेठी ने बताया कि नगर में 13 नवम्बर तक प्रभातफेरियां निकाली जाएगी। 15 नवम्बर को प्रकाश पर्व श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाएगा। इस दौरान सचिन छाबड़ा, अशोक अरोड़ा, हर्ष भारती, अजय मदान, अमन सेठी, गुरदीप सिंह, सुमित सिंह, संदीप सिंह, अमृत सिंह, इंद्रजीत राणा, प्रिंस कपूर, विपिन नारंग, हर्ष नारंग, गुरविंदर बेदी आदि मौजूद रहे।

कटनी जिले के बड़वारा में रेत कंपनी और ग्रामीणों के बीच विवाद

पुरे क्षेत्र में पुलिस बल की हुई तैनाती

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बसाडी में मामूली विवाद को लेकर रेत कम्पनी और ग्रामीणों के बीच जमकर विवाद हो गया। विवाद के चलते पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है और कई थानों की पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। हालांकि अब स्थिति नियंत्रण में है। जानकारी के मुताबिक ग्राम बसाडी में एक समोसा की दुकान पर महिला और रेत कम्पनी के गुर्गों के बीच मामूली विवाद ने उग्र रूप धारण कर लिया।पीड़ित महिला के बयान के आधार पर महिला ने बताया कि वह अपने पति के साथ

बाइक में सवार कटनी की ओर आ रही थी तभी बसाडी ग्राम में पहुंचते ही समोसे खाने का निर्णय किया लेकिन अचन कुछ तेल के गुर्गे उनसे बात विवाद किया और महिला के पेट में ताल मार हंगामा करना शुरू कर दिया जिस पर ग्रामणी आकृषित हो गए और चक्का जाम कर दिया। ओर रेत कंपनी की एक बुलेरो को आग के हवाले भी क्या गया है। इस पूरे घटना क्रम की कटनी पुलिस को सूचना मिलते ही बड़वारा थाने के पुलिस बल सहित पुलिस अधिकारी पहुंच गए और मामले को शांत करते हुए महिला के बयानों के आधार पर पूरे मामले की जांच पर जुट है वही कटनी एस पी अभिजीत रंजन ने बताया कि मौके पर ग्रामीणों ने रेत कंपनी के बुलेरो को आग के हवाले कर दिया है। वही दोनों पक्ष के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर पूरे मामले की जांच की जा रही है वही पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दी गई है वही पीड़ित महिला के बयान के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अन्नकूट का कार्यक्रम पहले छोटे पैमाने पर होता था, आज जरारूधाम गौशाला में हरियाली दिखती है-पंचायत मंत्री पटेल

इस बार एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य जरारूधाम में गौवंश की संख्या 2086 हो गई है

अन्नकूट का यह कार्यक्रम लगातार जब से गौशाला बनी है,तब से चल रहा है-राज्यमंत्री श्री लोधी

जिले के लोग यहां मिल जाते हैं तो यह एक बड़ा समागम हो जाता है-सांसद श्री सिंह

एक पेड़ जरूर लगायें-जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पटेल

जरारूधाम में दीपावली मिलन एवं अन्नकूट का कार्यक्रम हुआ संपन्न

दमोह जरारूधाम के 8 साल पूरे हो गए हैं, 9 वां वर्ष शुरू हो गया है। अन्नकूट का कार्यक्रम पहले छोटे पैमाने पर होता था, तब सभी यहां को सूखा दिखता था, आज हरियाली दिखती है। कुछ नए काम भी शुरू किए हैं, इस बार गौवंश की संख्या 2086 हैं, जो रजिस्ट्रेशन पशु चिकित्सा विभाग ने किया है। इस बार नई व्यवस्था ज्वार और मक्के के कर्वी से हुआ है, 400 ट्राली मिलने के बाद अब हम आश्वस्त हो गए हैं कि भोजन का संकट नहीं होगा। नर्सरी में 20 हजार पौधे तैयार हुए हैं, इस बार का लक्ष्य एक लाख पौधों का है, यह हम 10 लाख तक पहुंचाने का काम करेंगे। यह बात प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने आज जिले के बटियागढ़ विकासखण्ड के ग्राम मगरौन समीप स्थित जरारूधाम में दीपावली मिलन और अन्नकूट कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर संस्कृति पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद श्री राहुल सिंह, विधायक हटा उमादेवी खटीक, विधायक बण्डा वीरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटैल, जनपद अध्यक्ष दमोह प्रीति कमल ठाकुर, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, खासतौर पर मौजूद थे। पंचायत मंत्री श्री पटेल ने कहा इस बार ठंड से यहां तहसील स्तर या जिला स्तर की खेल गतिविधि शुरू की जायेंगी, दुग्ध कलेक्शन का काम और दुग्ध उत्पादन का काम का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। इस मौके पर मंत्री श्री पटैल ने गौशाला में गौमाता का पूजन कर प्रसाद खिलाया।पंचायत मंत्री श्री पटेल ने दीपावली के पांच दिवसीय महोत्सव की सभी को शुभकामनाएं दी और कहा आज भाई दूज का दिन है, कुछ संकल्प लेकर जाइए, कुछ सुझाव देकर जाइए, ताकि यह संस्थान चलता रहे और अपने यश और गौरव की इस प्रतिष्ठा को बढ़ाता रहे। यह अन्नकूट का कार्यक्रम है, कोई भी यहां आ सकता है किसी पर प्रतिबंध नहीं है। पंचायत मंत्री श्री पटेल ने कहा नर्मदा सेवा खण्डा में हमारे अध्यक्ष और जितने पदाधिकारी हैं वह सब 55 साल से लेकर 68 साल की उम्र के लोग हैं जो समिति के सदस्य है, पदाधिकारी है वह 8 साल से काम कर रहे हैं, लेकिन यह व्यवस्था आगे तक चलनी चाहिए। इस बार प्रस्ताव रखा की 40 साल से कम उम्र के लोगों के साथ में बैठूंगा 42 साल से जो परंपरा चल रही है उसको चलाने वालों की उम्र कितनी होगी। उन्होंने कहा यदि आपको यहां कुछ लाना है तो गौ माता को खाने का या उसके उपचार के लिए कोई चीज जो आपके पास हो वह लेकर आईये तो अन्नकूट का योगदान ज्यादा बेहतर होगा। यदि हम यह तय कर ले की आएंगे तो कुछ ना कुछ योगदान करके जाएंगे। हमारे जितने भी काम करने वाले लोग हैं वह ऐसे सेवा भावी लोग हैं। संस्थान में जितने भी प्रारंभ से काम करने वाले लोग हैं वह मजदूर नहीं है उनके कारण ही या सफलता यहां तक पहुंची है, उनके बच्चों का भविष्य का जितना भी हमारे पास में संसाधन है, उनकी पढ़ाई चाहे उसमें कितना भी खर्च लगे हम संस्थान की तरफ से ही देंगे उनके ऊपर बोझ नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा नरेंद्र जी के पुत्र भोपाल में पढ़ रहे हैं और तुलसी का बेटा सागर में पढ़ रहा है, सारा खर्चा संस्थान उठायेगा उनके पास में प्रधानमंत्री आवास होंगे लेकिन उन सभी का एक-एक मकान इस प्रांगण में हम उन्हें बनाकर देने वाले हैं। पंचायत मंत्री श्री पटेल ने कहा हमारी तैयारी है कि आगे जहां 10000 पौधों का वृक्षारोपण हुआ है उसी से लगा हुआ वह संस्थान का हिस्सा है जहां पर ट्रेनिंग शुरू करेंगे और उसके बाजू में एक तालाब बनाने की योजना है एक योजना दुग्ध व्यवस्था की है कि यहां पर 100-200 गायें रखकर दुग्ध बैंक शुरू किया जाए ताकि आसपास के गांव के लोगों से दूध खरीद कर संस्थान ले जाकर पहुंचाये। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने सभी को दीपावली के पावन पर्व और अन्नकूट के कार्यक्रम की सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा आज अन्नकूट का यह कार्यक्रम लगातार जब से गौशाला बनी है, तब से चल रहा है। मंत्री श्री प्रहलाद पटेल जी के नेतृत्व में यह गौशाला बहुत अच्छे तरीके से संचालित हो रही है, इसमें सभी लोग बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं माँ लक्ष्मी से प्रार्थना करता हूं कि है मां सब सुखी हो, सब निरोगी हो, सभी का मंगल हो, सभी का कल्याण हो। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा मंत्री श्री प्रहलाद पटेल जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि निरंतर यह कार्यक्रम चल रहा है। यह कैलेंडर में एक तारीख सा बना हुआ है की हर वर्ष दिवाली के बाद जब अन्नकूट का कार्यक्रम होगा, जिसमें दमोह संसदीय क्षेत्र के सभी लोग तो मिलते हैं, लेकिन मंत्री श्री पटेल के आने के कारण बाहरी जिले के लोग भी यहां मिल जाते हैं, तो यह एक बड़ा समागम हो जाता है। उन्होंने कहा मां नर्मदा से बस यही प्रार्थना करूंगा कि सुख, शांति, समृद्धि, यश, वैभव सभी को दें और यह क्रम निरंतर चलता रहे, हर वर्ष हम सभी यहां पर मिले यह प्रार्थना है। आप सभी को दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीत गौरव पटेल ने दीपावली के पावन पर्व की और भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास की सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा जब में जरारू धाम पहली बार आई थी तब यहां बड़ी संख्या में पेड़ लगाए गए थे, पंचायत मंत्री जी का और हम सभी का यह मानना है कि पेड़ लगाने बस से कुछ नहीं होता है, जब तक पेड़ जीवित न हो, तब ही हमारी सफलता है कि पेड़ खड़ा होकर किसी को छाया दे रहा है, फल दे रहा है। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुये कहा जब हमारे बच्चों का जन्मदिन हो, हमारा जन्मदिन हो या कोई भी पर्व हो तब हम एक पेड़ जरूर लगाए। हटा विधायक उमादेवी खटीक ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा मां भगवती से प्रार्थना करती हूं कि आप सभी सुखी, संपन्न और समृद्ध रहे। इस अवसर पर बंडा विधायक बीरेन्द्र सिंह लोधी, पूर्व विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी ने नर्मदा सेवा खण्ड के अध्यक्ष नरेन्द्र बजाज सहित पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर पूर्व विधायक हटा पीएल तंतुवाय, पूर्व विधायक बंडा प्रदुम्न सिंह लोधी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटैल, पं. सतीश तिवारी, नर्मदा खंड सेवा संस्थान से शंकर महन्तो जी, पाटन नगरपालिका अध्यक्ष आचार्य जगेन्द्र सिंह, रामेश्वर चौधरी, नरेन्द्र बजाज, गोपाल पटैल, नरेन्द्र व्यास, कपिल शुक्ला, गौरव पटैल, ओएसडी डॉ. सीएल पटैल, रूपेश सेन, सुशील गुप्ता, सोमेश गुप्ता, अनुपम सोनी, कैलाश शैलार, राजकुमार सिंह, संजय यादव, नर्मदा सिंह एकता, पं.कृपाल पाठक, वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र दुबे, गौरव पटैल, इंजीनियर अमर सिंह राजपूत, रंगकर्मी राजीव अयाची, रामकली तंतवाय, गंगाराम पटेल, राजेन्द्र पटैल, कविता बजाज, हाकम सिंह ठाकुर, राजू ठाकुर, रशीद खान सहित बड़ी संख्या में जिला पंचायत, जनपद पंचायतों और ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि और पदाधिकारी, सरपंच, पंच, नर्मदा खंड सेवा संस्थान के पदाधिकारी और सदस्य, जनप्रतिनिधिगण एवं सम्मानीय मीडियाजन मौजूद थे।

माहेश्वरी समाज बदनावर ने अन्नकूट महोत्सव मनाया

बदनावर। माहेश्वरी समाज बदनावर द्वारा पिपलेश्वर महादेव मंदिर पर अन्नकूट महोत्सव मनाया। भगवान को 56 प्रकार का भोग लगाया गया। विशेष पकवान तैयार कर भगवान की प्रतिमा के सामने सजाकर रखा गया। 56 तरह के पकवान के भोग को अन्नकूट कहा जाता है। गोवर्धन पूजा अन्नकूट के बगैर पूरी नहीं होती है। मान्यता है कि गोवर्धन पूजा के दिन अन्नकूट अवश्य बनाना चाहिए। महिला मंडल द्वारा सुंदर सुंदर भजन के साथ नृत्य किया गया। शाम 7 बजे आरती पश्चात छप्पन भोग वितरित किया गया।

स्टेशन रोड पुलिया के पास लाश मिली

नीमच। कल शहर के मंडी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले रेल्वेस्टेशन रोड बड़ी पुलिया 9नंबर स्कीम मार्ग पर नाले के पास रविवार दोपहर एक व्यक्ति की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैली, घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो हुई बघाना पुलिस ने वहां पर पहुंचकर मौका पंचनामा बनाया व शव को जिला अस्पताल पहुचाया गया वहा पहचान के बाद मृतक के शव का परीक्षण किया जाएगा,लाश को देखने से लाश कुछ दिन पुरानी प्रतीत हो रही है जिसमें से काफी बदबू भी आरही थी।बताया जा रहा है कि बीते कुछ दिन पहले इस स्थान से एक लावारिस बाइक मिली इसे बघाना पुलिस ने जप्त किया ,सम्भावना जताई जा रही है कि पुलिस द्वारा जप्त की गई बाइक उक्त मृतक व्यक्ति की हो सकती है। लाश की सूचना मिलने के पश्चात सीएसपी ,बघाना थाना प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गये ,उसके बाद शव को जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। जिला अस्पताल से जानकारी के अनुसार मृतक का नाम अरुण पिता शम्भू लाल नायक उम्र 26 वर्ष निवासी कनावटी बताया जा रहा है ,यहां अस्पताल में परिजन पहुचे फिर पुलिस ने मृतक के शव का परीक्षण कराकर शव परिजनों को सौप मर्ग कायम किया व मामला जांच में ।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित।

अलीराजपुर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ कलेक्टर डॉ बेडेकर एवं अन्य अतिथियों ने सरस्वती मां प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र तंवर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मध्यप्रदेश गान किया गया। इसके पश्चात नन्ही बालिका ने गणेश जी के गीत पर प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में सुश्री नित्या तंवर ने कहीं दूर जब दिन ढल जाए.... एवं गिरीश भटनागर ने चंचल शीतल निर्मल कोमल.... गीत का गायन किया। इसके साथ श्री हर्ष चौहान, श्रीमती ऋतु सोलंकी, विनय चंदेल, दिलीप वाणी, जितेन्द्र तंवर, एसडीओपी नीरज नामदेव ने अपनी मनोरम प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान कहना है कहना है....., है हवा मेरे संग संग चल....., अभी मुझ में कहीं..... जैसे पार्श्व गीतों की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में एसडीओपी श्री नामदेव ने दिल हम तुम करे..... गीत की प्रस्तुति कर समां बांध दिया। कलेक्टर डॉ बेडेकर ने सभी कलाकारों की प्रशंसा की और बताया कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हम सभी के लिए उत्साह एवं गर्व का विषय है। इस 69 वें स्थापना दिवस पर हम सभी अपने हृदय प्रदेश को और अधिक सक्षम, सशक्त बनाने में हर संभव प्रयास करेंगे। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी तपीस पांडे, डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी अर्जुन सिंह सोलंकी सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग संजय परवाल के साथ अन्य जिला अधिकारी कर्मचारी एवं जिले के सम्मानित नागरिक गण उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ ,खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा - श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार

मंदसौर। 68वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में हो रहा है प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात राज्य स्तरीय खेल ध्वज के ध्वजारोहण से हुआ। इसके पश्चात पूरे प्रदेश के संभागों तथा जनजाति विभाग से आए खिलाड़ियों द्वारा सेंट थॉमस विद्यालय के बैंड पर मार्च फास्ट किया गया। अतिथियों का स्वागत जिला शिक्षा अधिकारी लोकेंद्र डाभी, उत्कृष्ट प्राचार्य विनीता प्रधान जिला क्रिडा अधिकारी बंसीलाल बारीवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय की छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। 68वीं शालेय प्रतियोगिता का स्वागत उद्बोधन लोकेंद्र डाभी द्वारा तथा परिचय विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती विनीता प्रधान द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं प्रतिवेदन जिला क्रीड़ा अधिकारी बंशीलाल बारीवाल द्वारा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में नो संभाग के 14 वर्ष के हॉकी बालिका वर्ग की 162 खिलाड़ी एव बेसबाल के 14 वर्ष के बालक बालिका वर्ग के 324 खिलाड़ियों द्वारा सहभागिता की जा रही है। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु 20 समितियां का गठन किया गया है. इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर कहा गया कि हम सभी को सदैव खेलकूद में भाग लेना चाहिए, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार द्वारा कहा गया कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और खेलने से हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. उपस्थित खिलाड़ियों को खेल भावना एवं नियमों का पालन की शपथ बेसबॉल की राष्ट्रीय चैंपियन कुमारी वंशिका धाकड़ द्वारा दिलाई गई। अतिथियों को स्मृति चिन्ह के रूप में भगवान पशुपतिनाथ की रजत वर्ण प्रतिमा भेंट की गई। इस अवसर पर विभिन्न समिति सदस्य जिले के प्राचार्य शिक्षक एवं शिक्षिका, विभिन्न विद्यालयों के खेल प्रशिक्षक तथा खेल अधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कीर्ति सक्सेना एवं आशीष बंसल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आभार जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी विजेंद्र देवड़ा द्वारा किया गया ।

नानपुर मे गाय गोरी पर हर्षोउल्लास् के साथ मनाया गया

माली समाज ने गाय व बैल को श्रृंगार कर आरती की गई

अलीराजपुर/नानपुर नानपुर मे गाय गोरी पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस पर्व को लेकर हिंदू समाज मे सुबह से उत्साह था। माली समाज ने माली समाज धर्मशाला मे गो धन (गाय व बैल) की पूजा कर छप्पन भोग लगाकर पूजा अर्चना की गई। समाज अध्यक्ष मनीष माली ने प्रतिनिधि को बताया की प्रत्येक वर्ष गाय गोरी का पर्व समाज द्वारा मनाया जाता है,व मन्नत धारी द्वारा पशुधन के आगे खेड़े पर लौटकर मन्नत उतारी जाती है व शक्कर की प्रसादी का वितरण किया गया।इस अवसर पर भाजपा नेता डिम्पु राठौड़ व जितेन्द्र प्रसाद वाणी ने सभी को त्योहार की शुभकामनाऐ देते हुए कहा की इस वर्ष रिकार्ड तोड़ आतिश बाजी की गई। गाय गोरी पर्व इस क्षेत्र मे अनूठे तरह से मनाया जाता है जिसे अनेक क्षेत्रों से (जोबट, खट्टाली, कुक्षी,सोंडवा, वालपुर,ढही,बड़वानी,मनावर)सहित आस पास के क्षेत्र आते है। डीजे पर माली समाज ने गाय गोरी पर्व पर गरबा सहित भजनों पर नृत्य करते हुए पूरे नगर मे भ्रमण किया जाकर रामचोक पर समापन किया गया, इस दोरान माली समाज की माता बहनो के हाथ मे अनेक स्लोगन लिखी पट्टियाँ थी। हिंदू समाज द्वारा खूब आतिश बाजी की गई। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन की चाक चौबंध व्यवस्था के कारण त्योहार शांति से संम्पन हुआ। शांति से इस पर्व की समाप्ति पर हिंदू समाज द्वारा प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया।

राम मन्दिर पर छप्पन भोग के साथ अन्नकूट उत्सव मनाया गया स्थानीय वाणी समाज द्वारा राम मंदीर पर भव्य आरती के साथ अन्नकूट उत्सव मनाया गया। समाज द्वारा मंदीर की साज सज्जा की गई। मन्दिर मे भगवान् श्रीराम की आरती समाज अध्यक्ष रजनीकांत वाणी द्वारा की गई। इस अवसर पर मुकेश वाणी ने बताया की वर्षो से अंनकूट उत्सव मनाया जाता है, पूरे नगर मे एकमात्र जगह पर अन्नकूट का उत्सव मनाया जाता है। जिससे पुरा नगर मंदीर पर प्रसादी व दर्शन करने आते है।श्रीराम मंदीर पर रामजी का का श्रृंगार नन्हे बच्चो प्रांजल, तुषार, जिनेंद्र, कान्हा वाणी व अन्य साथियों ने किया गया। सूखे मेवे से भगवान् की प्रसादी लगाई गई। साथ ही भगवान् को दो सो किलो की अन्नकूट प्रसादी का भोग समाज द्वारा लगाकर बाटी गई।

व्यापारी वर्ग द्वारा अनाज की खरीदी बिक्री की गई स्थानीय राम मंदीर पर आरती के पश्चात व्यापारियों द्वारा अनाज की खरीदी बिक्री की गई, सोयाबीन, कपास, चने,मूंगफली सहित दलहन की बोली लगाई गई जिसमे व्यापारियों द्वारा बोली लगाकर खरीदी बिक्री की गई। व्यापारी संघ अध्यक्ष सुनील वाणी ने बताया की वर्षो से चली आ रही परम्परा को नवीन कार्य करणि द्वारा निभाया गया। हमारे पूर्वज भी इस तरह व्यापा 'कर कुछ राशि मंदीर मे भेट की जाती है। इस व्यापार मे तरुण वाणी, महेंद्र वाणी, ओम् प्रकाश वाणी, रविंद्र वाणी, सुनील राठौड़, दिलीप वाणी, राकेश वाणी, कैलाश वाणी, सुरेश वाणी, योगेश वाणी, देवेंद्र, सुनील वाणी, अशोक वाणी, दिनेश राठौड़, सहित अनेक व्यापारियों द्वारा खरीदी बिक्री की गई।

राधे कृष्ण गौशाला में गोवर्धन पूजा का हुआ आयोजन

पिपलिया मंडी – गोवर्धन पूजा के पर्व पर मल्हारगढ़ तहसील के गांव बरखेड़ा पंथ राधे कृष्ण गौशाला में गौ माता की पूजा अर्चना कर गोवर्धन पूजा की इस अवसर पर सभी गायों को लापसी एवं गुड़ का आहार करवाया इस अवसर पर श्री राधे कृष्ण गौशाला समिति अध्यक्ष जगदीश माकनिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा सरपंच अभिमन्यु कारपेंटर सचिव राजेंद्र पाटीदार भुवानी शंकर बोराना,मोहनलाल तेलकार, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि दिनेश कारपेंटर बाबूलाल पवार प्रकाश पवार पशु चिकित्सा कैलाश रूपरा सहित अनेक ग्रामीण जैन माताएं बहने मौजूद रहे

दो दिन चला गोवर्धन पूजा का आयोजन

पिपलिया मंडी – इस वर्ष दो दिपावली पर्व से नगर में तथा आसपास गांव में दो दिवसीय दीपावली त्यौहार से दो दिनों तक गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया इसी उपलक्ष्य में स्थानीय तिवारी ट्रांसपोर्ट कंपनी द्वारा नगर परिषद सभापति श्रीमती वंदना कमल तिवारी के मार्गदर्शन में टेकरी बालाजी परिसर में दीपावली पूजन मुहूर्त संपन्न हुआ बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया

सेना से सेवानिवृत्त होकर आए जवान का हाटपीपल्या नगर की जनता ने किया स्वागत

हाटपीपल्या- **देश** की सीमा पर अपनी जान हथेली पर रखकर भारतवर्ष तथा भारतीयों की रक्षा करने वाले संतोष गुणवान का सेवा निवृत होने पर प्रथम नगर आगमन हुआ सैनिक के परिवार वालों को हमेशा एक अजीब सा डर रहता है वह हमेशा इस बात से डरते हैं कि कहीं सीमा पर तैनात सैनिक किसी का बेटा-पिता पति दुश्मन की गोली का शिकार ना हो जाए, लेकिन वही सैनिक जब अपनी सेवाएं पूरी कर अपने घर ओर गांव वापस लौटता हे तो परिवार दोस्त संबंधित नाते रिश्तेदारों की खुशियों का ठिकाना नहीं रहता। ऐसा ही दृश्य शुक्रवार को हाटपीपल्या नगर में देखने को मिला जहां पर सेवानिवृत्त होकर आये भारतीय सेना के सन्तोष गुणवान का नगर में डीजे के साथ खुली जिप में भव्य जुलूस निकाला गया। व नगर में जगहा-जगहा स्वागत दुवार लगाकर पुष्प माला पहनाते हुए उनका भव्य स्वागत किया। श्री गुणवान का राष्ट्रीय सैनिक संस्था हाटपीपल्या व आज़ाक्श संघ ने पुष्पमाला पहनाकर व शिल्ड प्रदान कर सम्मान किया गया। साथ ही श्री गुणवान ने नगर के विभिन्न महापुरुषों के प्रतिमाओं पर पुष्प माला पहनाकर पुष्पांजलि अर्पित की।

गोबर की आकृति बनाकर गोवर्धन की पूजा-अर्चना की

पशुधन को सजाया, पाडा कुश्ती का भी हुआ आयोजन

बाग :-शनिवार को नगर में भगवान गोवर्धन की पूजा की गई। परंपरानुसार घर के सामने गोबर से भगवान गोवर्धन की सुंदर आकृति बनाई गई। नगर समेत पूरे अंचल में सुबह से ही धोक पड़वा का उल्लास देखा गया। लोगों ने एक दूसरे के घर जाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी। पशु मालिकों ने पशुधन को सजाया। साथ ही पशुओं को नहला कर उनकी पूजा की गई। महिलाओं और युवतियों ने घरों के आंगन में रंगोली बनाई और दीप जलाए। सुबह ब्रजवासी समाज द्वारा भगवान गोवर्धन की पूजा कर पाडो का सजा धजा कर जुलूस निकाला गया। पाड़ा कुश्ती का आयोजन भी संपन्न हुआ। शाम को प्रजापत समाज के समाजजनों ने अपने घरों के सामने गोबर से भगवान गोवर्धन की सुंदर आकृति बनाकर परिवार सहित पूजा अर्चना की। प्रजापत समाज के केवलराम प्रजापत ने बताया कि पुरखो की परंपरानुसार दिवाली के दूसरे दिन धोक पड़वा पर घर के आंगन में गोबर से भगवान गोवर्धन की आकृति बनाकर उनकी पूजा करने करने का यह क्रम वर्षो से अनवरत जारी है।

अवैध उत्खनन पर पर्दा डालने हेतु चल रहा खदान भराव कार्य

रकवा नंबर 335/1 पेरिचुआ की खदान का है मामला, खदान 2029 तक है स्वीकृत

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर जिले में स्थित ग्राम पंचायत पेरिचुआ में रकवा नंबर 335/1 जूझ रकवा 1.770 की पत्थर खदान जो कि 2029 तक स्वीकृत है ,

उसमें खदान भराव या खदान फीलिंग का कार्य चल रहा है ।

जिस जमीन पर ये कार्य चल रहा है उसका खसरा नंबर 335/1

रकवा 7.547 एवं जूझ रकवा 1.770 है इस खदान की स्वीकृति 2029तक है , इस खदान मालिक एवं खनिज विभाग की कार्य शैली संदिग्ध है क्योंकि जो खदान 2029 तक स्वीकृत है उसका माइन क्लोजर सर्टिफिकेट तो जारी हो नहीं सकता और यदि माइन क्लोजर सर्टिफिकेट जारी नहीं है मतलब माइन संचालित है और अगर माइन संचालित है तो इसके भराव का कार्य क्यों हो रहा है , इसलिए हम ऐसा कह रहे है कि सत्य ये है कि खदान मालिक द्वारा स्वीकृत खदान के अलावा अलग से अवैध उत्खनन किया गया है जिसको छुपाने हेतु ये खदान भराव कार्य किया जा रहा है इस खदान भराव कार्य में खदान मालिक एवं खनिज विभाग की मिलीभगत दिखाई दे रही हैं , क्योंकि अगर स्वीकृत खदान की जांच हो गई तो अवैध उत्खनन की जानकारी मिल जाएगी जिससे कार्यवाही होने का डर है इसलिए चुपचाप बिना एन ओ सी के खदान भराव कार्य निरन्तर जारी है, माननीय कलेक्टर महोदय अगर इस खदान की निष्पक्ष जांच करा कर खदान का परिसीमन कराए तो करोड़ो रुपए राजस्व के आ सकते है जो कि खदान मालिक द्वारा जो अवैध उत्खनन कर शासन की आंख में धूल झोक कर करोड़ो का राजस्व हड़प कर लिया गया है उसकी भरपाई हो पाएगी अत: कलेक्टर महोदय को इस खदान पर जल्द संज्ञान लेते हुए जांच करवानी अत्यंत आवश्यक है जिससे हड़प किए गए राजस्व की वसूली खदान मालिक से की जा सके।

राजस्थान में भव्य डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं करेंगे नागा-शोभिता?

जानें अब किस खास जगह होगी शादी

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला पिछले कुछ समय से अपनी शादी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जब से दोनों ने कुछ महीने पहले एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई है, तब से प्रशंसक उनकी शादी के बारे में जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। पहले खबर आई थी कि कपल राजस्थान में भव्य शादी करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, अब खबर आ रही है कि दोनों हैदराबाद में ही शादी करेंगे। आइए जानते हैं कि मामला क्या है।

राजस्थान में शादी नहीं करेंगे नागा-शोभिता नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की आगामी शादी सोशल मीडिया पर चर्चा का सबसे बड़ा विषय है। इस कपल के इस साल के अंत तक शादी के बंधन में बंधने की उम्मीद है। हालांकि, कपल की भव्य शादी की तारीख और वेन्यू के बारे में अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हाल ही में आई अफवाहों से ऐसा लग रहा है कि वे राजस्थान में डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकते हैं।

भव्य तरीके से नहीं होगी शादी? नागा और सोभिता की सगाई के ठीक बाद, इंटरनेट पर कई रिपोर्ट्स सामने आईं, जिसमें बताया गया कि वे और कपल्स की तरह राजस्थान के एक आलीशान महल रिसॉर्ट में शाही डेस्टिनेशन वेडिंग कर सकते हैं। हालांकि, अब नई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वे दोनों स्थानीय शादी की योजना बना रहे हैं।

इस जगह करेंगे शादी हालांकि, इस मामले को लेकर अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अनुमान है कि नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला 4 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में एक पारंपरिक समारोह में शादी करेंगे।

शादी से पहले की रस्में हो गई थीं शुरू बता दें कि 21 अक्टूबर, 2024 को नागा और शोभिता के लिए शादी से पहले के उत्सवों का पहला सेट शुरू हुआ था। अभिनेत्री द्वारा अपने पसुपु दंचदम समारोह से साझा की गई तस्वीरों में, शोभिता को अपने परिवार की महिलाओं से घिरा हुआ देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने हल्दी की जड़ें कुचली, पूजा की और अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने से पहले अपने परिवार के बड़ों से आशीर्वाद लिया।

डीजे गणेश को शाहरुख खान से मिला खास तोहफा, पोस्ट कर जताया सुपरस्टार का आभार

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने 2 नवंबर (शनिवार) को प्रशंसकों, दोस्तों और परिवार के साथ अपना 59वां जन्मदिन मनाया। जबकि यह अभिनेता के लिए जश्न का दिन था, लेकिन इस अवसर पर प्रमुख बॉलीवुड कार्यक्रमों में अपने प्रदर्शन के लिए जाने जाने वाले डीजे गणेश को सुपरस्टार से एक विशेष उपहार मिला। शाहरुख ने अपने जन्मदिन की पार्टी में डीजे बजाते हुए उनके लैपटॉप पर अपना ऑटोग्राफ दिया।

डीजे गणेश को मिला शाहरुख खान से तोहफा डीजे गणेश ने अपने लैपटॉप की एक तस्वीर साझा की जिसमें शाहरुख खान का हस्तलिखित नोट है। नोट में लिखा है, टू, डीजे गणेश। हमेशा हमारा मनोरंजन करने के लिए धन्यवाद। प्यार। नोट के नीचे 2/11/2024 तारीख के साथ शाहरुख खान के हस्ताक्षर हैं।

गणेश ने पोस्ट कर जाहिर की खुशी डीजे गणेश ने अपने खास तोहफे की तस्वीर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, किंग शाहरुख खान की ओर से एक विशेष नोट। मैं पिछले कुछ वर्षों में सर एसआरके की पार्टियों का हिस्सा बनकर बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं। यह सबसे अच्छा दिवाली उपहार जैसा लगता है जो मैं मांग सकता हूं।

शाहरुख खान का वर्कफ्रंट ओरी ने डीजे गणेश की पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी के साथ टिप्पणी की। एक अन्य डीजे, भाविनी शाह ने मजाक में कहा, अगर आप इस मैकबुक को बेचने की योजना बना रहे हैं तो मुझे बताएं। हेहेहे। एक इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता ने लिखा, बहुत बढ़िया-आपके प्रयासों के लिए बहुत बढ़िया पहचान। काम के मोर्चे पर, शाहरुख खान अगली बार सुजॉय घोष की फिल्म किंग में दिखाई देंगे, जिसमें सुहाना खान और अभिषेक बचन भी हैं।

कॉन्सर्ट के टिकट घोटाले की दिलजीत ने नहीं ली जिम्मेदारी, अब सोशल मीडिया पर भड़के लोग

दिलजीत दोसांझ अपने 'दिल-लुमिनाती टूर 2024' के भारत दौरे पर हैं। हाल ही में दिल्ली में अपनी प्रस्तुति देने के बाद अब वह जयपुर पहुंच चुके हैं। रविवार को उन्होंने 'पिंक सिटी' में प्रदर्शन किया। गायक और अभिनेता के जयपुर पहुंचने पर उनका राजसी और भव्य स्वागत हुआ। अब हाल ही में, दिलजीत ने टिकटों के हो रहे घोटाले पर प्रतिक्रिया दी है और बताया है कि इसके लिए वह जिम्मेदार नहीं हैं।

टिकट घोटाले को लेकर दिलजीत ने की बात गायक दिलजीत दोसांझ ने अपने प्रशंसकों से टिकटों को घोटाले के बारे में बात की, जो उनके कॉन्सर्ट के लिए टिकट बुक करते समय धोखाधड़ी का शिकार हुए थे। रविवार (3 नवंबर) को जयपुर में अपने दिल-लुमिनाती टूर कॉन्सर्ट के दौरान दिलजीत ने इस मुद्दे पर बात की और खेद व्यक्त किया। अभिनेता-गायक ने कहा कि वह और उनकी टीम इस घोटाले के लिए जिम्मेदार नहीं है और उन्होंने अपने प्रशंसकों से ऑनलाइन टिकट बुक करते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया।

पुलिस ने जारी की थी चेतावनी बता दें कि जयपुर कॉन्सर्ट से पहले राजस्थान पुलिस ने नकली टिकटों की बिक्री के संबंध में चेतावनी जारी की थी। सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया था, अलर्ट!! नकली टिकटों से सावधान रहें! दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में प्रवेश के लिए केवल वैध टिकट ही मान्य होंगे। केवल जोमैटो लाइव और स्कोप एंटरटेनमेंट के बेचे गए टिकट ही वैध हैं, बाकी सभी अमान्य हैं।

सोशल मीडिया पर भड़के लोग एक तरफ तो सोशल मीडिया पर लोगों ने दिलजीत के इस व्यवहार की खूब सराहना की है। वही, दूसरी ओर कुछ लोगों ने सिंगर की आलोचना भी की है। एक यूजर ने लिखा, सही है आप क्यों जिम्मेदारी लेंगे, पैसे तो आम लोगों के डूबते हैं। दूसरे यूजर ने कहा, इनके कॉन्सर्ट में इतने घोटाले हो रहे हैं और यह जिम्मेदारी भी नहीं ले रहे हैं।

दिल्ली में किया था कॉन्सर्ट दिलजीत ने 26 अक्तूबर को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक प्रदर्शन के साथ अपने दिल-लुमिनाती इंडिया टूर की शुरुआत की। जहां भारी भीड़ जुटी, वहीं कुछ लोग दिल्ली में कार्यक्रम स्थल पर धोखाधड़ी के कारण निराश हो गए और अन्य लोग अपने टिकट नकली होने के कारण प्रवेश करने में असमर्थ रहे।

शो हाउसफुल होने पर गदगद हो उठे कार्तिक आर्यन, गेयटी गैलेक्सी पहुंच प्रशंसकों को दिया तोहफा

भूल भुलैया 3 कार्तिक आर्यन के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग साबित हुई। अनीस बमी द्वारा निर्देशित यह हॉरर-कॉमेडी सिंघम अगेन के साथ 1 नवंबर को रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी का नतीजा है कि सिंगल स्क्रीन के साथ-साथ मल्टीप्लेक्स भी हाउसफुल जा रहे हैं। जनता से मिले प्यार को देखते हुए कार्तिक भी खुद को रोक नहीं पाएं और लोगों को तोहफा देने थिएटर पहुंच गए।

अचानक गेयटी गैलेक्सी पहुंचे कार्तिक आर्यन भूल भुलैया 3 की सफलता के बीच, कार्तिक ने फिल्म देख रहे अपने प्रशंसकों को सरप्राइज देने के लिए रविवार शाम को मुंबई के प्रसिद्ध सिंगल-स्क्रीन थिएटर गेयटी गैलेक्सी का दौरा किया। प्रशंसकों की भीड़ के बीच में हाउसफुल का बोर्ड पकड़े हुए, अभिनेता ने एक चौड़ी मुस्कान बिखेरी। उन्होंने प्रशंसकों के साथ तस्वीरें खिंचवाकर प्यार और प्रशंसा स्वीकार की।100 **करोड़ी बनी भूल भुलैया 3** अनीस बमी के निर्देशन में बनी यह फिल्म हंसाने के साथ लोगों को डराने में भी कामयाब रही है। फिल्म ने टिकट विंडो पर 35.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली। दूसरे दिन इस फिल्म ने 37 करोड़ रुपये का कारोबार किया। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक तीसरे दिन फिल्म ने 29.78 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 102.28 करोड़ हो गई है।**भूल भुलैया 3 के शोज बढ़े** भूल भुलैया 3 की बढ़ती मांग के बीच, मुंबई के चुनिंदा सिनेमाघरों ने रात 1 बजे और 3 बजे के लिए अतिरिक्त शो जोड़े हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कार्तिक ने इंस्टाग्राम पर लिखा, दर्शक ही सब कुछ हैं।

एनिमल में रणबीर कपूर के साथ बोल्ड सीन को लेकर तृप्ति डिमरी से पूछा गया सवाल, डफली ने कहा उनके..

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। भूल भुलैया 3 अपने वादे के मुताबिक 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और जमकर बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए आयाम हासिल कर रही है। फिल्म के प्रमोशन के लिए जब पूरी स्टारकास्ट कपिल शर्मा के कॉमेडी शो पर गई तो जमकर हंसी-मजाक हुआ। जब मजाक-मजाक ने सुनील ग्रोवर ने तृप्ति से एनिमल फिल्म में उनके बोल्ड सीन के बारे में सवाल किया, तो तृप्ति का रिएक्शन देखने लायक था।

फिल्म एनिमल में तृप्ति ने कई बोल्ड सींस किए, जिसके चलते उनसे अक्सर कई शोज में सवाल किए जा चुके हैं। कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में जब भूल भुलैया 3 की पूरी स्टारकास्ट आई, तो सुनील ग्रोवर ने झट से तृप्ति से एनिमल फिल्म के बोल्ड सींस को लेकर सवाल किया, जिस पर वहां पर बैठे कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाए।

भूल भुलैया 3 के सितारे कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और निर्देशक अनीस बज्मी हाल ही में अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म का प्रचार करने के लिए द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में आए। एपिसोड का एक क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें सुनील ग्रोवर का किरदार डफली, डिमरी से 2023 की फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ उनके बोल्ड सीन के बारे में पूछते हैं।

क्लिप की शुरुआत सुनी ग्रोवर से होती है, जो पूछती है, आप हो जो अमीनल (एनिमल फिल्म) में थे? अभिनेत्री ने कहा, जी मैं ही थी। देखा, मैंने आपने क्या-क्या बोला है मेरे बारे में। इसके बाद डफली ने पूछा, ये जो आपने रणबीर कपूर के साथ किया है, मुझे उम्मीद है कि वो सिर्फ शूटिंग ही होगी ना, ऐसे असली में तो कुछ नहीं था ना? तृप्ति ने हंसते कहा कि यह असली नहीं था।

भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित नेने के अलावा विजय राज, राजपाल यादव, संजय मिश्रा, राजेश शर्मा और अश्विनी कालसेलर ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म ने शुक्रवार को पहले दिन 35.5 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि दूसरे दिन शनिवार को फिल्म की कमाई बढ़कर 37 करोड़ रुपये हो गई। तीसरे दिन रविवार को फिल्म ने 33.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। आज सोमवार को फिल्म ने अभीतक सिर्फ 5 लाख रुपये की ही कमाई की है, ये आंकड़े अभी पूरे दिन में बदलेंगे। बहलहाल, फिल्म ने अभी तक कुल कमाई 106.5 करोड़ रुपये कर ली है।

दिवाली की छुट्टियां मनाकर काम पर लौटीं सारा अली खान, पोस्ट साझा कर लिखा, हकीकत में लौट आए

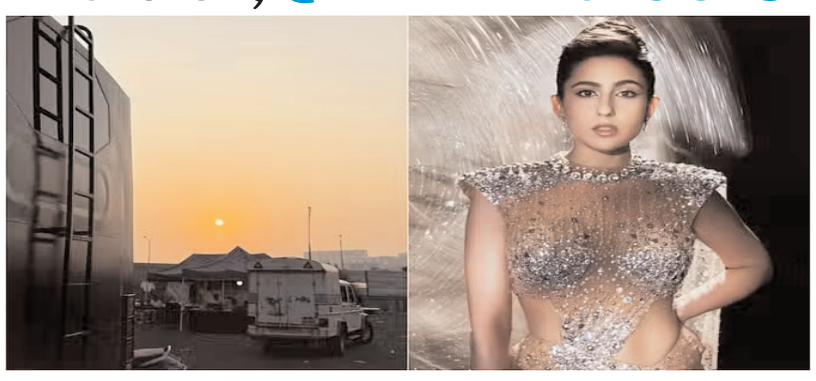

सारा अली खान ने दिवाली खूब धूमधाम से मनाई। उन्होंने इसकी झलकियां अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फैंस के साथ भी साझा की हैं। धनतेरस पर सारा केदारनाथ धाम के दर्शन करने पहुंची थीं। इसके बाद उन्होंने दिवाली पर भी खूब एंजॉय किया और परिवार के साथ यह त्योहार मनाया। भाई दूज के दिन उन्होंने भाई इब्राहिम के साथ तस्वीरें साझा कीं। दिवाली की छुट्टियां मनाकर सारा काम पर लौट चुकी हैं। उन्होंने पोस्ट साझा कर ये जानकारी दी है।

आयुष्मान खुराना के साथ साझा करेंगी स्क्रीन

सारा अली खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में जुटी हैं। इसमें वे आयुष्मान खुराना के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। दोनों सितारे पहली बार साथ काम करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि यह एक जासूसी कॉमेडी फिल्म होगी। दिवाली की छुट्टियों के बाद सारा ने शूटिंग शुरू कर दी है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि शूटिंग इसी फिल्म की शुरू की है या किसी अन्य फिल्म की।

इंस्टाग्राम पर साझा की तस्वीर

सारा अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है। यह तस्वीर फिल्म के सेट की है, जिसमें सुबह का नजारा है। उगता सूरज नजर आ रहा है। इसके साथ सारा ने लिखा है, दिवाली के बाद शूट डे। त्योहार के बाद हकीकत में लौट आए हैं। अभी उगते सूरज का इंतजार कर रहे हैं।

इस फिल्म से किया डेब्यू

सारा अली खान धनतेरस के अवसर पर केदारनाथ धाम दर्शन करने पहुंची थीं। उन्होंने यहां अपनी आगामी फिल्म के लिए भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। सारा भगवान शिव की अनन्य भक्त हैं। अक्सर उन्हें केदारनाथ यात्रा पर जाते देखा है। इस बार केदारनाथ यात्रा के दौरान सारा ने वहां स्थानीय बाजार में खूब खरीदारी की। बता दें कि सारा अली खान ने साल 2018 में केदरनाथ फिल्म से डेब्यू किया था।

एलिस कौशिक के बॉयफ्रेंड पर भड़कीं काम्या पंजाबी, शादी का वादा कर मुकरने पर बोलीं- इज्जत रख लेते

सलमान खान के विवादित रिएलिटी शो बिग बॉस की प्रशंसक काम्या पंजाबी भी इस सीजन की दीवानी हैं। हर साल शो के प्रतिभागियों पर अपनी ईमानदार राय रखने के लिए मशहूर अभिनेत्री ने अपने एक्स हैंडल पर कंवर ढिल्लों की आलोचना की है। आलोचना करने के पीछे का कारण यह है कि उन्होंने अभिनेत्री को प्रपोज करने के बारे में एलिस कौशिक के बयान को स्पष्ट करने के लिए इंटरव्यू दिया था। आइए जानते हैं कि काम्या पंजाबी ने क्या कहा है।

काम्या ने दिया अपना रिएक्शन अपने एक्स हैंडल पर काम्या ने अपनी राय जाहिर करते हुए कहा कि कंवर को शो में एलिस के बयानों के बारे में साक्षात्कार नहीं देना चाहिए था। चलो अगर एलिस ने कह भी दिया कि लड़के ने उनको प्रपोज किया है, जो लड़के ने नहीं किया, पर रिश्ता तो फिर भी है ना? उस रिश्ते की ही इज्जत कर लेते हैं.. लेकिन वह इंटरव्यू देते फिर रहे हैं।

एलिस को कंवर ने किया था प्रपोज? मालूम हो कि करण वीर मेहरा के साथ अपनी शुरुआती बातचीत में, एलिस ने बताया था कि उनके बॉयफ्रेंड कंवर ढिल्लन ने उन्हें सीधे यह कहकर प्रपोज किया था कि वह उनसे शादी करना चाहते हैं।

कंवर ढिल्लों ने दी सफाई शो के बाहर अपने इंटरव्यू में, कंवर ढिल्लों ने अभिनेत्री के इस बयान पर सफाई दी और कहा कि उन्होंने केवल इतना कहा था कि एलिस ऐसी लड़की है, जिससे वह शादी करना और घर बसाना चाहेंगे। शो के वीकेंड का वार एपिसोड में होस्ट सलमान खान ने एलिस को यह जानकारी दी, जिसके बाद अभिनेत्री रो पड़ीं। इसके बाद एलिस ने सरेआम कंवर ढिल्लों को धमकी भी दे डाली।

सोशल मीडिया पर लोगों ने की एक्शन की मांग यही नहीं, बता दें एलिस को लगातार सोशल मीडिया पर बैश किया जा रहा है। उनके खिलाफ एक्शन लेने की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि इस तरह से नेशनल टेलीविजन पर धमकी देना अपराध है और एलिस को इसके लिए जवाब देना होगा।

महिला केंद्रित फिल्मों को दी अलग पहचान, तब्बू बनीं अजय देवगन से लेकर अमिताभ बच्चन की हीरोइन

नब्बे के दशक में तब्बू के साथ बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां आईं, लेकिन उनके करियर की लंबाई बहुत अधिक नहीं रही। कुछ तो बिल्कुल गुमनामी के अंधेरे में चली गईं, लेकिन तब्बू के करियर में ठहराव नहीं आया बल्कि समय के साथ वह बतौर कलाकार निखरती गईं। पचास की उम्र पार कर चुकीं तब्बू आज भी फिल्मों में मुख्य और दमदार भूमिकाएं कर रही हैं। आज (4 नवंबर 1971) इस कमाल की अदाकारा का जन्मदिन है, इस मौके पर उनके फिल्मी करियर और जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें, जानिए।

बाल कलाकार बनकर की फिल्मी करियर की शुरुआत

तब्बू ने बतौर हीरोइन फिल्मों में सक्रिय होने से पहले बाल कलाकार के रूप में कुछ फिल्मों में अभिनय किया। जब वह ग्यारह साल की रही होंगी, तो उन्होंने बाजार (1982) नाम की एक फिल्म की, इसमें वह महज एक गाने में नजर आईं। इसके अलावा उन्होंने चौदह साल की उम्र में देव आनंद की फिल्म में उनके साथ काम किया। देवानंद की इस फिल्म का नाम हम नौजवान (1985) था। आगे चलकर एक अभिनेत्री के तौर पर तब्बू ने तेलुगू फिल्म कुली नंब वन (1991) से डेब्यू किया, वहीं 1994 में उन्होंने ऋषि कपूर के साथ पहला पहला प्यार और अजय देवगन के साथ विजय पथ में काम किया।

अजय देवगन हैं बचपन के दोस्त विजय पथ ने बॉक्स ऑफिस पर तो बहुत कमाल नहीं किया, लेकिन अजय और तब्बू की जोड़ी को जरूर दर्शकों ने सराहा। आगे भी तब्बू ने अजय देवगन के साथ कई फिल्में कीं। आज भी वह अजय के साथ काम कर रही हैं। अजय और तब्बू सिर्फ कलाकार के तौर पर ही एक-दूसरे को नहीं जानते हैं, उनकी दोस्ती बचपन की है। तब्बू, अजय के बारे में बेबाक होकर कोई भी बात बोल देती है, क्योंकि उन्हें पता है कि अजय को उनकी बात का बुरा नहीं लगेगा।

महिला केंद्रित फिल्मों में किया बेहतरीन अभिनय सिर्फ कमर्शियल फिल्मों में हीरोइन का किरदार करना तब्बू को रास नहीं आया तो उन्होंने आर्ट फिल्मों का भी रूख किया। माचिस, चांदनी बार जैसी फिल्मों में एक्टिंग करके उन्होंने दर्शकों को हैरान कर दिया। इन दोनों फिल्मों के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। इन फिल्मों के अलावा भी तब्बू ने महिला केंद्रित फिल्में कीं या ऐसी फिल्मी कीं, जिसमें महिला किरदार बहुत ही सशक्त रहा। इन फिल्मों में अस्तित्व, मकबूल, हैदर, दृश्यम के अलावा बहुत सी बेहतरीन फिल्में शामिल हैं।

अमिताभ बचन संग रोमांस-हॉलीवुड में भी दस्तक तब्बू ने अपने हमउम्र कई अभिनेताओं के साथ काम किया, लेकिन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म चीनी कम (2007) में उन्होंने अमिताभ बचन के साथ रोमांस करके दर्शकों को चौंका दिया। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अछी-खासी सफलता मिली। इसके अलावा तब्बू ने हॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने द नेमसेक (2006) और लाइफ ऑफ पाई (2012) जैसी हॉलीवुड फिल्में कीं । इन फिल्मों में इरफान खान ने भी काम किया था। हाल-फिलहाल की तब्बू की फिल्मों की बात करें, तो वह इस साल क्रू में कॉमेडी करती हुई नजर आईं। आगे भी उनके खाते में कई और फिल्में हैं, जिनके जरिए वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगी।

अब तक नहीं बसाया है अपना घर करियर से हटकर अगर तब्बू के निजी जीवन की बात की जाए, तो उन्होंने अब तक शादी नहीं की है। ऐसा भी नहीं है कि उन्हें किसी से प्यार नहीं हुआ, लेकिन तब्बू का प्यार मंजिल तक नहीं पहुंचा।

कनाडा के मंदिर में हिंदुओं की पिटाई से आगबबूला हुआ भारत! जस्टिन ट्रूडो की लगा दी क्लास

नेशनल डेस्क- हाल ही में कनाडा के ब्रैम्पटन स्थित हिंदू सभा मंदिर पर खालिस्तान समर्थकों द्वारा किए गए एक हिंसक हमले ने भारत की सरकार और भारतीय समुदाय को आक्रोशित कर दिया है। इस हमले के दौरान सिख अलगाववादियों ने मंदिर में घुसकर हिंदू भक्तों पर लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना ने कनाडा में भारतीय समुदाय के बीच असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। हमले के तुरंत बाद, भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के साथ आयोजित कांसुलर शिविर के बाहर भारत विरोधी तत्वों द्वारा हिंसक गतिविधियां देखी गईं। दूतावास ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने कनाडाई अधिकारियों से पहले ही अनुरोध किया था कि इस प्रकार के आयोजनों के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय किए जाएं, लेकिन सुरक्षा की कमी के कारण यह घटना घटित हुई। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस हमले की

कड़ी निंदा की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हर कनाडाई को स्वतंत्र और सुरक्षित रूप से अपनी आस्था का पालन करने का अधिकार है। ब्रैम्पटन में मंदिर पर हुई हिंसा को अस्वीकार्य बताते हुए उन्होंने पुलिस को इस घटना की जांच के लिए त्वरित कार्रवाई करने के लिए धन्यवाद दिया। हालाँकि, ट्रूडो की सरकार की गंभीरता पर सवाल उठता है, क्योंकि अभी तक इस मामले में किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। भारत ने इस घटना के बाद कनाडा की सरकार को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। भारतीय अधिकारियों ने कहा, कनाडा में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण, इन आयोजनों के लिए पहले से ही मजबूत सुरक्षा उपाय किए जाने के लिए अनुरोध किया गया था। भारत सरकार ने कनाडा से यह भी अपेक्षा की कि वह अपने देश में भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करे। इस हिंसक हमले के बाद कनाडा में भारतीय समुदाय में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। कई भारतीय नागरिकों ने इस तरह की घटनाओं के बढ़ने पर चिंता व्यक्त की है और उन्होंने कनाडाई सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की है। भारतीय समुदाय के नेताओं ने कहा कि अगर ऐसी घटनाओं को रोका नहीं गया, तो इससे दोनों देशों के बीच रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

इस घटना ने एक बार फिर कनाडा में कट्टरवाद की बढ़ती समस्याओं को उजागर किया है। टोरंटो के सांसद केविन वुओंग ने भी इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि कनाडा अब कट्टरपंथियों के लिए सुरक्षित स्थान बन गया है। उन्होंने कहा कि कनाडाई नेता हिंदुओं की रक्षा करने में विफल रहे हैं, जैसा कि वे ईसाई और यहूदी कनाडाई लोगों की रक्षा करने में विफल रहे थे। ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हुए इस हमले ने न केवल भारतीय समुदाय को डराया है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच रिश्तों को भी प्रभावित कर सकता है। ट्रूडो सरकार को चाहिए कि वह इस प्रकार के हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए और हिंदू समुदाय की सुरक्षा को प्राथमिकता दे। इस घटना के बाद, भारतीय समुदाय की आवाजें और भी अधिक सुनाई दे रही हैं, और अब सभी की नजरें कनाडाई अधिकारियों की कार्रवाई पर हैं।

भारत की फटकार बाद बोले ट्रूडो-

कनाडा के मंदिरों में हिंसा अस्वीकार्य, लेकिन खालिस्तानियों के पक्ष में कही ये बात

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रैम्पटन में एक मंदिर पर कथित खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा किए गए हमले की सोमवार को निंदा करते हुए कहा कि प्रत्येक कनाडाई को अपनी आस्था का स्वतंत्र तरीके से और सुरक्षित माहौल में पालन करने का अधिकार है। 'कनैडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन% की रिपोर्ट के अनुसार, पील क्षेत्रीय पुलिस ने रविवार को बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर में विरोध प्रदर्शन हुआ और सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कुछ अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े नजर आए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वीडियो में लोग हाथापाई और एक-दूसरे पर डंडों से हमला करते हुए नजर आ रहे हैं और यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है।ट्रूडो ने समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच के लिए ''त्वरित कार्रवाई करने पर स्थानीय प्राधिकारियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर सोमवार को लिखा, ''ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में आज हुई हिंसा अस्वीकार्य है। हर कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र तरीके से और सुरक्षित माहौल में पालन करने का अधिकार है। समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच के लिए तुरंत कार्रवाई करने पर पील क्षेत्रीय पुलिस को धन्यवाद। पील क्षेत्रीय पुलिस ने रविवार दोपहर को कहा कि उन्हें हिंदू सभा मंदिर में विरोध प्रदर्शन की जानकारी थी तथा सार्वजनिक व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए उन्होंने मंदिर में पुलिस बल की मौजूदगी बढ़ा दी है। पुलिस प्रमुख निशान दुरईअप्पा ने वीडियो प्रसारित होने के बाद रविवार को 'एक्स% पर लिखा, ''हम शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से विरोध करने के अधिकार का सम्मान करते हैं, लेकिन हिंसा और आपराधिक कृत्यों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। ब्रैम्पटन के मेयर पैट्रिक ब्राउन ने रविवार दोपहर को 'एक्स% पर एक पोस्ट साझा कर हिंसा की निंदा करते हुए लिखा, ''जो लोग इस गतिविधि में संलिप्त हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और उन पर आरोप लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस घटना के दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हिंदू सभा के बाहर हिंसा की घटनाओं के बारे में सुनकर मुझे निराशा हुई है। धार्मिक स्वतंत्रता कनाडा का आधारभूत मूल्य है। हर किसी को अपने पूजा स्थल पर सुरक्षित महसूस होना चाहिए। ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हाल में हुए हमले की विपक्षी नेता पियरे पोइलीवरे सहित कनाडाई नेताओं ने व्यापक पैमाने पर निंदा की। पोइलीवरे ने 'एक्स% पर लिखा, ''ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं को निशाना बनाकर की गई हिंसा पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

सभी कनाडाई लोगों को अपने धर्म का शांतिपूर्वक पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। 'कंजर्वेटिव पार्टी% इस हिंसा की स्पष्ट रूप से निंदा करती है। मैं अपने लोगों को एकजुट करूंगा और अराजकता को समाप्त करूंगा। इस बीच, ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने भी सोमवार को एक कड़ा बयान जारी कर हिंदू सभा मंदिर पर 'भारत विरोधी% तत्वों द्वारा हाल में किए गए हमले की निंदा की। उच्चायोग ने कहा, ''हमने आज (तीन नवंबर को) हिंसक व्यवधान देखा जिसे टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में वाणिज्य दूतावास शिविर के बाहर हिंदू सभा मंदिर के साथ मिलकर भारत विरोधी तत्वों ने अंजाम दिया। बयान में कहा गया, ''हम भारतीय नागरिकों सहित उन आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं, जिनकी मांग पर इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। भारत विरोधी तत्वों के इन प्रयासों के बावजूद हमारा वाणिज्य दूतावास भारतीय और कनाडाई आवेदकों को 1,000 से अधिक जीवन प्रमाण पत्र जारी करने में सक्षम रहा...। ट्रूडो द्वारा पिछले वर्ष सितंबर में खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की ''संभावित संलिप्तता के आरोप लगाए जाने के बाद से भारत और कनाडा के संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा खालिस्तान समर्थक तत्वों को बिना किसी रोक-टोक के अपनी धरती से गतिविधियों को अंजाम देने की अनुमति दे रहा है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट से 6 लोगों की मौत

कैथोलिक कॉन्वेंट सहित कई मकान जलकर खाक

इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप में ज्वालामुखी विस्फोटों के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के एक अधिकारी फिरमान योसेफ ने बताया कि सोमवार को आधी रात के बाद हुए विस्फोट के कारण 2,000 मीटर ऊंचाई तक राख हवा में फैल गई और गर्म राख ने पास के एक गांव को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कैथोलिक नन के एक कॉन्वेंट सहित कई मकान जल गए और कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। आपदा प्रबंधन एजेंसी ने पहले मृतक संख्या नौ बताई थी लेकिन बाद में उसने इसमें बदलाव करते हुए छह लोगों की मौत की जानकारी देते हुए बताया कि उसे स्थानीय लोगों से ताजा जानकारी मिली है। उसने कहा कि जान-माल को हुए नुकसान के बारे में जानकारी अभी एकत्र की जा रही है, क्योंकि स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में ढहे मकानों के नीचे और लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई है। प्राधिकारियों ने पिछले सप्ताह हुए ज्वालामुखी विस्फोटों के बाद

सोमवार को माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के लिए खतरे का स्तर तथा जोखिम संभावित क्षेत्र का आकार बढ़ा दिया। देश की ज्वालामुखी विज्ञान एजेंसी ने ज्वालामुखी विस्फोट बढ़ने के साथ ही चेतावनी की स्थिति को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है और निषिद्ध क्षेत्र के दायरे को सोमवार को आधी रात के बाद दोगुना से अधिक बढ़ाकर सात किलोमीटर (4.3 मील) कर दिया। ज्वालामुखी विस्फोट के कारण बृहस्पतिवार से रोजाना 2,000 मीटर (6,500 फुट) की ऊंचाई तक राख उठ रही है। एजेंसी ने बताया कि वुलांगिटांग जिले में विस्फोट से आसपास के छह गांवों पुलुलेरा, नवोकोटे, होकेंग जया, क्लैटानलो, बोरू और बोरू केदांग में कम से कम 10,000 लोग प्रभावित हुए हैं। इंडोनेशिया में पिछले दो सप्ताह में दूसरी बार ज्वालामुखी विस्फोट हुआ है। इससे पहले, इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक में 27 अक्टूबर को विस्फोट होने से कम से कम तीन बार राख के गुबार उठे और आसपास के गांवों में मलबा फैल गया। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली।

श्रीलंका संसदीय चुनाव से संबंधित शिकायतों के मामलों में 190 से अधिक लोग गिरफ्तार

श्रीलंका में हुए 2024 के संसदीय चुनावों से संबंधित शिकायतों के सिलसिले में अब तक छह उम्मीदवारों सहित 191 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। संसदीय चुनाव के लिए मतदान 14 नवंबर को होगा। पुलिस ने बताया कि उसे संसदीय चुनाव से संबंधित 168 शिकायत मिली हैं। समाचार पोर्टल 'न्यूजफर्स्ट.एलकेने पुलिस मीडिया प्रवक्ता डीआईजी (उप महानिरीक्षक) निहाल थलदुवा के हवाले से कहा, ''इसमें अपराध की 30 शिकायत और चुनाव कानूनों के उल्लंघन से संबंधित 138 शिकायत शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिन 191 लोगों को 2024 के संसदीय चुनावों से संबंधित शिकायतों के सिलसिले में अब तक गिरफ्तार किया गया है उनमें चुनाव लड़ रहे छह उम्मीदवार भी शामिल हैं। पुलिस ने इन शिकायतों के संबंध में 45 वाहन भी जब्त किए हैं। इस बीच, निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसे संसदीय चुनावों से संबंधित 1,259 शिकायत मिली हैं। समाचार पोर्टल ने कहा कि इनमें से 13 शिकायत हिंसा के संबंध में हैं।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा हादसा, बस खाई में गिरी, 15 की मौत, कई घायल,

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में सोमवार(4 नवम्बर) को एक दर्दनाक हादसा हो गया। अल्मोड़ा जिले के मर्चुला क्षेत्र में एक बस गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में 15 यात्रियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। प्रशासन और रेस्क्यू की टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने राहत कार्यों को तेजी से करने के निर्देश दिए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह बस किनाथ क्षेत्र से यात्रियों को लेकर निकली थी और रामनगर की ओर जा रही थी। यह बस यूजर्स कंपनी की बताई जा रही है और सारद बैंड के पास गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में बस में सवार कई लोगों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, और मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है।दुर्घटना के समय बस में 42 सीटें थीं और करीब 35 यात्री सवार थे। हादसे के बाद कुछ यात्री अपनी जान बचाने के लिए बस से खुद बाहर निकल आए, जबकि कुछ को बाहर निकालना मुश्किल हो रहा है। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है, घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया जा रहा है। पुलिस और एसडीआरएफ टीम घटनास्थल पर मौजूद है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है और जिला प्रशासन को तत्काल राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 5 को: करोड़ों वोटरों ने समय पूर्व किया मतदान, पहचान पत्र दिखाने पर शख्स गिरफ्तार

अमेरिका में इस बार राष्ट्रपति चुनाव में न्यूयॉर्क का 42 ब्रॉडवे एक अहम गंतव्य है, जहां निर्वाचन बोर्ड का दफ्तर का स्थित है। कार्यकारी निदेशक माइकल रेयान और उनके डिप्टी विंसेंट इग्निजियो न्यूयॉर्क में मतदान तिथि से पहले पड़े वोटों की संख्या को लेकर खासे उत्साहित हैं। समय पूर्व वोटिंग व्यवस्था के तहत न्यूयॉर्क में पहले दिन करीब 1,40,000 लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। रेयान ने कहा, हम अपनी पीठ नहीं थपथपाना चाहते, लेकिन हम इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। न्यूयॉर्क ने समय पूर्व वोटिंग के मामले में पहले ही रिकॉर्ड कायम कर लिया है और मतदान अभी भी जारी है। अमेरिका के विभिन्न प्रांतों में करोड़ों मतदाताओं ने मतदान तिथि (पांच नवंबर) से पहले ही अपने वोट डाल दिए हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के 'इलेक्शन लैब ट्रैकर% के आंकड़ों के मुताबिक, 6.8 करोड़ से अधिक अमेरिकी अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं। पूरे अमेरिका में मतदाता समय पूर्व मतदान व्यवस्था से मिलने वाली सहूलियत का लाभ उठा रहे हैं, फिर चाहे वह डाक मतपत्रों के माध्यम से हो या फिर मतदान केंद्रों पर जाकर वोट डालकर। समय पूर्व मतदान व्यवस्था मतदाताओं को खराब मौसम, मतदान केंद्रों पर लंबी कतारों में लगने, व्यस्तताओं के कारण वोट न डालने या चुनाव के दिन व्यक्तिगत कार्यक्रमों में बदलाव करने के झंझट से मुक्ति दिलाती है। रेयान का मानना है कि समय पूर्व मतदान के प्रति सकारात्मक रुझान सुनिश्चित करने में कई कारकों ने अहम भूमिका निभाई, कम से कम न्यूयॉर्क शहर में। उन्होंने कहा, 2020 में समय पूर्व मतदान के लिए 100 से भी कम मतदान केंद्र बनाए गए थे। इस साल यह संख्या उससे लगभग 50 फीसदी अधिक है। न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन क्षेत्र में जॉन जे कॉलेज में समय पूर्व वोटिंग की सुविधा देने वाला एक मतदान केंद्र स्थापित किया गया है। यहां पांच नवंबर को चुनावी तिथि से पहले ही बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने पहुंच रहे हैं। मतदान केंद्र की समन्वयक सुजैन का मानना है कि समय पूर्व मतदान प्रक्रिया के प्रति बहुत सकारात्मक रुझान देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, हम मतदान प्रक्रिया में व्यस्त हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यहां वोट डालने वाले हर मतदाता को सभी जरूरी सहायता मिले।

लोग समय पूर्व मतदान की सुविधा को लेकर बेहद उत्साहित हैं। जॉन जे कॉलेज में वोट डालने पहुंचे एक मतदाता ने कहा, मुझे इस तरह की लचीली प्रणाली पसंद है। मैं सिर्फ इसलिए अपना वोट बर्बाद नहीं करना चाहता कि मैं मंगलवार को उपलब्ध नहीं रह पाऊंगा। यह देश के लिए एक महत्वपूर्ण समय है और हम उस व्यक्ति को वोट नहीं देने का जोखिम नहीं उठा सकते, जो हमारा नेतृत्व करेगा। कैलिफोर्निया के मतदान केंद्र पर कुछ समय के लिए अव्यवस्था फैल गई, क्योंकि एक व्यक्ति को मतदान के लिए अपनी पहचान पत्र दिखाने पर गिरफ्तार कर लिया गया।अधिकारियों ने बताया कि जस्टिन डेविस सुबह करीब 9:00 बजे मतदान स्थल पर पहुंचे और भयभीत मतदान कर्मियों को अपना ड्राइविंग लाइसेंस दिखाया।लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग के प्रवक्ता सार्जेंट पॉल मार्केज़ ने कहा, कैलिफोर्निया में इस तरह की अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। हमें एक सूचना मिली कि यहां एक व्यक्ति मतदान के लिए अपनी पहचान पत्र दिखा रहा है, जो कैलिफोर्निया के कानून का खुला उल्लंघन है। हमारे अधिकारी इस राक्षस को पकड़ने के लिए जल्दी से पहुंचे। मुझे खुशी है कि हम उसे किसी और को अपनी पहचान दिखाने से पहले ही सड़क से हटाने में सफल रहे। यह जगह और भी खतरनाक होती जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 131-4202569 फैक्स नं : 0 131-4202569